राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 27 मई 2022 वर्ष–5,अंक–121 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी सरकार के 8 साल पूरे, भाजपा कोटे के केंद्रीय मंत्री देश भर में पहुंचाएंगे सरकार की उपलब्धियां

बीजेपी इन सीटों पर अगले 18 महीनों में काम करने के लिए तीन स्तर के नेताओं को तैनात करेगी। सबसे पहले एक केंद्रीय समिति होगी जिसमें राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे जो पूरे कार्यक्रम की निगरानी करेंगे।

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के लगातार सत्ता में रहने के आठ साल पूरे होने पर पार्टी देश भर में उन सीटों पर विशेष अभियान चलाएगी, जिन पर वह बीते चुनाव में दूसरे व तीसरे स्थान पर रही थी। ऐसी लगभग 144 सीटों पर पार्टी के केंद्रीय मंत्री प्रवास करेंगे। हर मंत्री एक लोकसभा सीट पर तीन दिन का प्रवास करेगा और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएगा। इसके अलावा कमजोर बूथों के लिए सांसदों व विधायकों को जिम्मेदारी दी जाएगी। यह फैसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रियों की बैठक में हुई।

भाजपा मुख्यालय में बुधवार से देर शाम तक बैठकों का दौर चलता रहा। सुबह के सत्र में बूथ सशक्तिकरण को लेकर रणनीति को अंतमि रूप दिया गया, वहीं शाम को हुई बैठक में लोकसभा प्रवास योजना की रणनीति तैयार की गई। इन बैठकों में पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कमजोर बूथों से लेकर हारी हुई सीटों के लिए रणनीति के लिए कार्ययोजना को नीचे तक ले जाने पर चर्चा की। इन बैठकों में केंद्र सरकार के अधिकांश मंत्रियों के साथ बूथ सशक्तिकरण अभियान से जुड़े नेता शामिल रहे। पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा की अध्यक्षता में शाम को हुई केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इनके अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी, एस जंयशंकर, मुख्तार अब्बास नकवी, किरण रिजीजू, प्रहलाद जोशी आदि मंत्री शामिल रहे।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने बीते लोकसभा चुनाव में दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाली सीटों के लिए भाजपा ने बड़ी रणनीति बनाई है। पार्टी 30 मई से 15 जून तक देश भर में मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियों को जनता तक लेकर जा रही है। इसमें उन क्षेत्रों पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है, जहां भाजपा का सांसद नहीं है। इसके पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सुबह पार्टी के बूथ सशक्तिकरण अभियान की बैठक ली। इस बैठक में पार्टी के लगभग 73 हजार कमजोर बूथों के लिए रणनीति पर विचार किया गया। सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक विधायक को 25 कमजोर बूथों की और प्रत्येक सांसद को 100 कमजोर बूथ की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस बैठक में इसमें देश भर में बूथ सशक्तिकरण के लिए बनाई गई टीमों के नेता शामिल हुए। इनमें इन टीमों के प्रमुख नेता केंद्रीय पदाधिकारी,

इसके अलावा कमजोर बूथों के लिए सांसदों व विधायकों को जिम्मेदारी दी जाएगी। यह फैसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रियों की बैठक में हुई।

केंद्रीय मंत्री, सांसद व विधायक भी शामिल रहे। बैठक में प्रमख नेताओं में पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम, दिलीप घोष, एस एस अहलूवालिया, तरुण चुग, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, अर्जुन राम मेघवाल, अन्नपूर्णा देवी, अजय भट्ट, प्रतिमा भौमिक, वी के सिंह आदि नेता भी मौजूद रहे।

नागपुर में थैलेसीमिया से पीड़ित चार बच्चे मिले HIV पाजिटिव, एक की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में थैलेसीमिया से पीड़ित चार बच्चे खून चढ़ाने के बाद एचआईवी पाजिटिव पाए गए। इन बच्चों में से एक की मौत हो गई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के सहायक उपनिदेशक डा आरके धाकाटे ने बताया कि चार बच्चे एचआईवी पाजिटिव पाए गए थे, जिसमें से एक की मौत हो गई है। हम जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। इस मामले की जांच की जाएगी।

क्या है थैलेसीमिया

थैलेसीमिया बच्चों को माता-पिता से आनुवांशिकता में मिलने वाला रोग है। इसके रोगी एनेमिक होते हैं। इसलिए इनमें अन्य बीमारियों के संक्रमण की भी आशंका बनी रहती है। इस रोग के प्रति जागरूकता बहुत जरूरी है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस साल इसकी थीम रखी है, वी अवेयर शेयर एंड केयर।

शरीर में नहीं बनता खून

थैलेसीमिया से ग्रसित रोगियों में हीमोग्लोबिन के निर्माण की प्रक्रिया जन्म से ही बाधित होती है। जिसके कारण शरीर में खून नहीं बनता है। शुरुआत में इससे ग्रसित शिशुओं को एनीमिया का शिकार समझा जाता है। इस बीमारी का पता शिशु के तीन से पांच माह का होने पर ही पता चलता है। थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों में खून का निर्माण न होने के कारण कुछ दवाओं के साथ रोग की स्थिति के अनुसार समय-समय पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है।

दो प्रकार का होता है थैलेसीमिया–थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है। यदि बच्चे के माता-पिता, दोनों के जीन में माइनर थैलेसीमिया है तो संतान को मेजर थैलेसीमिया होगा और यदि माता-पिता में से किसी एक के जीन में माइनर थैलेसीमिया है तो बच्चे में इस रोग का प्रभाव धीमा रहता है। इसलिए काफी संभावना रहती है कि माइनर थैलेसीमिया से ग्रसित रोगी मेजर थैलेसीमिया के रोगी की अपेक्षा बीमारी से थोड़ी अधिक लड़ाई लड़ जाएं।

पैंगोंग त्सो पर चीनी पुल ने बढ़ाई चुनौती तो सेना ने कर दी काउंटर तैनाती

नई दिल्ली। नए सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने इस महीने की शुरुआत में पूर्वी लद्दाख में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की स्थिति और भारतीय सेना की काउंटर-तैनाती की सुरक्षा समीक्षा की। सेना प्रमुख की ये समीक्षा ऐसे समय में हुई है जब चीन द्वारा पैंगोंग त्सो झील इलाके में दूसरे पुल का निर्माण किया जा रहा है, जिस पर उसने 1960 में अवैध कब्जा किया था। चीनी सेना पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी किनारे पर फिंगर 8 के पूर्व में 16 किलोमीटर की दूरी पर एक डबल-स्पैन ब्रिज का निर्माण कर रही है। अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए, जनरल पांडे ने 1 मई को सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पूर्वी लद्दाख में अपनी पहली यात्रा की और एलएसी की तैनाती का ऑडिट किया। एचटी को पता चलता है कि जनरल पांडे पूर्वी लद्दाख में 1597 किलोमीटर एलएसी पर भारतीय सेना की तैनाती से संतुष्ट थे, लेकिन कब्जे वाले अक्साई चिन क्षेत्र में पीएलए द्वारा सैन्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर गंभीर ध्यान दिया। दोनों सेनाएं पूर्वी लद्दाख में आमने सामने की स्थिति में हैं। एलएसी के पार चीनी आर्मर एंड रॉकेट रेजिमेंट पैंगोंग त्सो के दक्षिण में रुडोग बेस पर और अशांत शिनजियांग सैन्य क्षेत्र में जियादुल्ला में तैनात हैं। पीएलए वायु सेना ने अपने लड़ाकू विमानों और बमवर्षकों को डेमचोक के गार गुंसा और शिनजियांग के होतान एयरबेस पर तैनात किया है। भारतीय सेना भी सड़कों और पुलों के निर्माण के साथ एलएसी पर पूरी तरह से तैनात है। सेना ने ऐसे पुलों और सड़कों का निर्माण किया है जो दौलत बेग ओल्डी तक टैंक या बख्तरबंद कर्मियों के वाहक को ले जा सकती हैं। इसके अलावा किसी भी सैन्य आपात स्थिति को संभालने के लिए गलवान नदी पर सात पुलों का निर्माण किया जा रहा है। भारतीय सेना द्वारा स्टडी की गई सेटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, खुरनक दुर्ग (या खुरनक फोर्ट) में पैंगोंग त्सो के सबसे संकरे हिस्से पर बना पहला पुल जीपों को संभालने की क्षमता के साथ 6 मीटर चौड़ा था। खुरनक दुर्ग में, पैंगोंग त्सो केवल 354 मीटर चौड़ी है और इसलिए पीएलए ने सैनिकों की तेजी से तैनाती के लिए इसे पाटने का फैसला किया।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सुरक्षाबलों ने मार गिराए लश्कर के तीन और आतंकी

जम्मू। सुरक्षाबलों ने गुरुवार सुबह लश्कर के तीन और आतंकियों का सफाया कर दिया। आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। वे प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर से जुड़े थे। आईजीपी ने कहा, मारे गए आतंकियों की पहचान की जा रही है। हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने बताया कि कुपवाड़ा के गांव जुमागुंड में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को लेकर एक विशेष इनपुट के आधार अभियान चलाया गया जिसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में सभी तीनों आतंकी मारे गए हैं जो लश्कर से जुड़े थे। बता दें कि इससे पहले जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को अचानक हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद गुट के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए थे। पुलिस ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के क्रीरी इलाके के नाजीभट में हुई मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद हुआ है। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विजय कुमार ने ट्वीट किया कि मुठभेड़ घाटी में पुलिस द्वारा बनाए गए नाकों में से एक पर हुई। उन्होंने यहां पत्रकारों को बताया, ''पूरे कश्मीर में आज नाके बनाए गए थे। क्रीरी इलाके के नाजीभट में ऐसे ही एक नाके के पास अचानक मुठभेड़ हुई। जैश-ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए।'' उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद हुआ है। कुमार ने बताया कि अपने एक साथी के शहीद होने से पुलिस विभाग दुखी है, लेकिन तीन आतंकवादियों को मार गिराना बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा, ''तीनों आतंकवादी श्रीनगर आकर बड़ा हमला कर सकते थे।''

हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने बताया कि कुपवाड़ा के गांव जुमागुंड में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को लेकर एक विशेष इनपुट के आधार अभियान चलाया गया जिसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हो गई।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम कथित वीजा घोटाला मामले में सीबीआई मुख्यालय पहुंचे

चेन्नई। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम कथित वीजा घोटाला मामले में सीबीआई मुख्यालय पहुंचे।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को तमिलनाडु में पांच रेलवे स्टेशनों- चेन्नई एग्मोर, रामेश्वरम, मदुरै, काटपाडी और कन्याकुमारी के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे।1,800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से रेलवे स्टेशनों की परियोजना का पुनर्विकास पूरा किया जाएगा। इस परियोजना को आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से यात्रियों की सुविधा और आराम को बढ़ाने की दृष्टि से शुरू किया गया है।

इसके अलावा, पीएम मोदी लाइट हाउस प्रोजेक्ट - चेन्नई के तहत निर्मित और प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 116 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 1,152 घरों का भी उद्घाटन करने वाले हैं। 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 75 किमी लंबी मदुरै-तेनी (रेलवे गेज परिवर्तन परियोजना), इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी, जबकि तांबरम-चेंगलपट्टू के बीच 30 किमी लंबी तीसरी रेलवे लाइन, रुपये से अधिक की लागत से बनाई गई है। 590 करोड़, उपनगरीय कनेक्शन को बढ़ावा देगा।

राजस्थान में अशोक गहलोत या सचिन पायलट? कांग्रेस ने पंजाब से ली सीख, जल्द करेगी घोषणा

नई दिल्ली। पंजाब से सीख लेते हुए कांग्रेस ने कहा है कि वह अगले 60 दिनों के भीतर फैसला करेगी कि राजस्थान में 2023 विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में होंगे या नहीं। पार्टी नेतृत्व के मुताबिक, वह पंजाब जैसी स्थिति पैदा नहीं करना चाहती जहां इसे आखिरी वक्त तक के लिए इसे टाला गया था।

अशोक गहलोत या सचिन पायलट के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव में उतरेगी या सामूहिक नेतृत्व का फॉर्मूला अपनाएगी, यह जल्द ही फाइनल हो जाएगा। 10 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

कुल मिलाकर असमंजस की स्थिति जल्द ही खत्म हो जाएगी और यह ऐलान किया जाएगा कि अशोक गहलोत के नेतृत्व में चुनाव में जाना है या नेतृत्व बदलना है। पार्टी का मानना है कि स्पष्ट फैसला लेना जरूरी है ताकि चुनाव की तैयारियां पूरे जोश के साथ की जा सके। संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। अगर अशोक गहलोत के नेतृत्व में चुनाव लड़ना है तो वह भी स्पष्ट होना चाहिए और अगर नेतृत्व बदलना है तो वह भी समय से पहले ही घोषित कर देना चाहिए।

● कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदेश प्रभारी अजय माकन व अन्य नेताओं से चर्चा के बाद फैसला किया है कि राज्यसभा चुनाव के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदेश प्रभारी अजय माकन व अन्य नेताओं से चर्चा के बाद फैसला किया है कि राज्यसभा चुनाव के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा ताकि पंजाब की तरह कोई बदलाव नहीं किया जा सके। यानी जुलाई तक राजस्थान कांग्रेस में कोहराम मचा हुआ रहेगा।

चिंतन शिविर के बाद गहलोत ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है, लेकिन पार्टी युवा नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी या अनुभव के साथ रहेगी, यह जून के अंत या जुलाई के पहले सप्ताह तक तय हो जाएगा।

दिल्ली में बियर की भारी कमी, जुलाई तक जारी रहेगी किल्लत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली अपनी सस्ती शराब के लिए भी जानी जाती है। हालांकि इस बार गर्मी में हालात कुछ और ही हैं। शहर में बियर की कमी हो गई है। दरअसल गर्मी की जल्द शुरुआत, चिलचिलाती धूप, बढ़ती मांग और प्रतिबंधित सप्लाई के कारण शहर में शराब की दुकानों पर अब बियर की भारी किल्लत हो गई है। इन तमाम वजहों से अधिकांश लोकप्रिय ब्रांडों की बीयर दुकानों से आउट ऑफ स्टॉक हो गई है। सबसे पसंदीदा मादक पेय में से एक, बीयर रेस्टो-बार से भी गायब हो गई है। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि स्थिति जुलाई तक जारी रहने की संभावना है और बीयर पीने वालों को अन्य विकल्पों की तलाश करनी होगी।

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब शहर में बियर की किल्लत देखने को मिल रही है। दिल्ली में हर साल बीयर की बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति देखी गई है। लेकिन शराब विक्रेता इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि पहली बार लेगर और स्ट्रांग बीयर के सभी प्रमुख ब्रांड और वेरिएंट (कैन, पिंट और बोतलें) इस बार दुकानों से गायब हो गए हैं। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जहां नए ब्रांडों ने भी भारी बिक्री दर्ज की है, वहीं कुछ विक्रेताओं द्वारा ग्राहकों से प्रीमियम वसूलने की खबरें आई हैं। अधिकांश ब्रांड अधिकतम खुदरा मूल्य पर बिक रहे हैं और विक्रेता बीयर पर छूट नहीं दे रहे हैं।

कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) के महानिदेशक विनोद गिरी ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि इस साल बीयर की मांग में पिछले वर्षों की तुलना में कम से कम 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ÷मार्च में गर्मी जल्दी शुरू होने के कारण इस बार मांग अचानक बढ़ गई है। जिन राज्यों में डिस्टिलरी स्थित हैं, वे निर्माताओं को दूसरे राज्यों में बीयर निर्यात करने से पहले घरेलू मांग को पूरा करने के लिए कहते हैं। दिल्ली में कोई डिस्टिलरी नहीं है और इसकी आपूर्ति राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और जम्मू से होती है। प्रतिबंधित आपूर्ति के कारण, उपलब्धता कम है।

एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में हर साल बीयर के 315-320 मिलियन केसेस बेचे जाते हैं और अप्रैल-जुलाई के चरम गर्मी के मौसम में 40 प्रतिशत से अधिक की खपत होती है। इस गर्मी में बढ़ी हुई मांग के कारण, कुल खपत में भी वृद्धि होने की संभावना है। कुछ विक्रेताओं ने इस साल आपूर्ति की कमी के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को जिम्मेदार ठहराया है। एक विक्रेता ने कहा, छूट नीति के चलते विक्रेताओं के पासे पैसों की कमी है और उन्होंने सीजन शुरू होने पर बीयर के स्टॉक पर ज्यादा निवेश नहीं किया है।

सबसे पसंदीदा मादक पेय में से एक, बीयर रेस्टो-बार से भी गायब हो गई है। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि स्थिति जुलाई तक जारी रहने की संभावना है और बीयर पीने वालों को अन्य विकल्पों की तलाश करनी होगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

संपादकीय

विनाशकारी है, जातीय-जनगणना

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

खबर है कि 1 जून को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीशकुमार एक सर्वदलीय बैठक बुला रहे हैं, जो बिहार में जातीय जनगणना की रुप-रेखा तय करेगी। पहले भाजपा इसका विरोध कर रही थी, अब वह भी इस बैठक में शामिल होगी। नीतीश इस सवाल पर दो बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल चुके हैं। जहां तक मोदी का सवाल है, वह जातीय जनगणना के पक्के विरोधी हैं। जब 2010 में जातीय जनगणना के विरुद्ध मैंने दिल्ली में जन-अभियान शुरु किया तो गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर मोदी ने मुझे कई बार फोन किया और हमारे आंदोलन को अपने खुले समर्थन का एलान किया। उस आंदोलन में कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के अनेक बड़े नेता भी सक्रिय भूमिका अदा करते रहे। सोनिया गांधी ने न्यूयार्क से लौटते ही पहल की और 'मेरी जाति हिंदुस्तानी' के आग्रह पर जातीय जनगणना रुकवा दी। मनमोहनसिंह की कांग्रेस सरकार ने उन आंकड़ों को प्रकाशित भी नहीं होने दिया, जो हमारे आंदोलन के पहले इकट्ठे हो गए थे। मुझे खुशी है कि नरेंद्र मोदी ने भी अपने प्रधानमंत्री काल में उसी नीति को चलाए रखा। अब नीतीश जो पहल कर रहे हैं, वह बिहार के लिए नहीं, सारे देश के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकती है। वैसे नेताओं में नीतीश मेरे प्रिय हैं। उन्होंने रेल मंत्री रहते हुए हिंदी के लिए और बिहार में शराबबंदी के लिए मेरे कई सुझावों को तुरंत लागू किया है लेकिन यदि जातीय जनगणना उन्होंने बिहार में करवा दी तो यह बीमारी सारे भारत में फैल जाएगी। कर्नाटक और तमिलनाडु में उसकी असफल कोशिश हो चुकी है। अब छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र की सरकारें भी इसे अपने यहां करवाना चाहती हैं। यदि सभी प्रांतों में जातीय जन-गणना होने लगी तो भारत की एकता के लिए यह विनाशकारी सिद्ध होगी। जातीय अलगाव मजहबी अलगाव से भी अधिक जहरीला है। 1947 में भारत के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे, अब भारत हजारों-लाखों टुकड़ों में बंट जाएगा। पिछली जनगणना में 46 लाख जातियों और उप-जातियों का पता चला था। एक ही प्रांत में एक ही जाति के लोग अलग-अलग जिलों में अपने आपको उच्च या नीच जाति का मानते हैं। यदि जातीय आधार पर आरक्षण और सुविधाएं बंटने लगीं तो कौन जाति के लोग अपने आपको पिछड़ा या दलित साबित नहीं करना चाहेंगे? जातीय जन-गणना सामूहिक लूट-खसोट का हथियार बन जाएगी। वैसे देश के कुछ नेता इन आंकड़ों का इस्तेमाल कुर्सी पाने और उसे बचाने के लिए करते ही है। जातीय जनगणना देश के लोकतंत्र को भेड़तंत्र में बदल डालेगी। देश की न्यायपालिका, विधानपालिका और कार्यपालिका में ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में योग्यता की जगह जाति ही पैमाना बन जाएगी। गरीबी दूर करने का लक्ष्य धरा का धरा रह जाएगा। आज 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्या जाति के आधार पर मिल रहा है? नहीं, गरीबी के आधार पर मिल रहा है। जातीय जनगणना हुई तो यह आधार नष्ट हो जाएगा। देश में गरीबी बढ़ेगी। देश के 70 करोड़ से ज्यादा वंचितों का जातीय आरक्षण ने सबसे ज्यादा नुकसान किया है। सिर्फ 5-7 हजार सरकारी नौकरियों की रेवड़ियां बांटकर देश के 80 करोड़ गरीबी की रेखा के नीचे लोगों को उपेक्षा का शिकार क्यों बनाया जाए? जो लोग भारत का भला चाहते हैं, उन्हें जन्मना जातिवाद का डटकर विरोध करना चाहिए।

भारत निर्माण में अभूतपूर्व योगदान है पंडित नेहरू का!

लेखक -डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)/(पुण्यतिथि पर)

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी सुख सुविधाओं को त्याग कर आजादी के आंदोलन में भाग लिया था। वे अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ लड़े थे। चाहे असहयोग आंदोलन की बात हो या फिर नमक सत्याग्रह या फिर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन हो ,उन्होंने गांधी जी के हर आंदोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू की विश्व के बारे में जानकारी से गांधी जी काफ़ी प्रभावित होते थे और इसीलिए आज़ादी के बाद वह उन्हें प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहते थे।महात्मा गांधी के ही प्रयास से वे देश के प्रथम प्रधानमंत्री बन पाए। सन् 1920 में उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ ज़िले में पहले किसान मार्च का आयोजन किया था। सन 1923 में पंडित नेहरु अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव चुने गए।सन 1952 में देश मे पहले आमचुनाव हुए ,जिसमें कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत से सत्ता में आई और पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री चुने गए। इससे पहले वह सन1947 में आज़ादी मिलने के बाद से अंतरिम प्रधानमंत्री थे। संसद की 497 सीटों के साथ-साथ राज्यों की विधानसभाओं के लिए भी चुनाव हुए थे। लेकिन जहाँ संसद में कांग्रेस पार्टी को पूर्ण बहुमत हासिल हुआ ,वहीं कुछ राज्यों में कांग्रेस को दूसरे दलों से ज़बर्दस्त टक्कर मिली थी। कांग्रेस पार्टी बहुमत हासिल करने में चेन्नई, हैदराबाद और त्रावणकोर जैसे शहरों में विफल रही थी, उसे कम्युनिस्ट पार्टी ने कड़ी टक्कर दी थी। हालाँकि इन चुनावों में हिन्दू महासभा और अलगाववादी सिक्ख अकाली पार्टी को मुँह की खानी पड़ी थी। पहले चुनाव के बाद से ही कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने दक्षिणी राज्यों में जनसमर्थन बढ़ाना शुरू कर दिया था, जिसके नतीजे सन 1957 में हुए चुनाव में उसे मिले। त्रावणकोर-कोचिन और मालाबार को मिला कर बने केरल में कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई।सन 1929 में जब लाहौर अधिवेशन में गांधी ने नेहरू को अध्यक्ष पद के लिए चुना था, तब से 35 वर्षों तक यानि सन 1964 तक प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए पंडित नेहरू ने देश में विकास पटरी बिछाई थी , सन1962 में चीन से हारने के बावजूद, नेहरू अपने देशवासियों के आदर्श बने रहे। राजनीति के प्रति उनका धर्मनिरपेक्ष रवैया गांधी के धार्मिक और पारंपरिक दृष्टिकोण से भिन्न था। गांधी जी वस्तुतः सामाजिक उदारवादी थे, जो देश को धर्मनिरपेक्ष बनाने की चेष्टा कर रहे थे। नेहरु लगातार आधुनिक संदर्भ में बात करते थे। वहीं गांधी प्राचीन भारत के गौरव पर बल देते थे। देश के इतिहास में एक ऐसा अवसर भी आया था, जब महात्मा गांधी को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पद के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल और जवाहरलाल नेहरू में से किसी एक का चयन करना था। लौह पुरुष के सख्त तेवर के सामने नेहरू का विनम्र राष्ट्रीय दृष्टिकोण भारी पड़ा और वह न सिर्फ़ इस पद पर चुने गए, बल्कि उन्हें सबसे लंबे समय तक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की बागडोर संभालने का गौरव हासिल भी हुआ।

पंडित जवाहरलाल नेहरू एक महान् राजनीतिज्ञ , प्रभावशाली वक्ता ही नहीं, प्रसिद्ध लेखक भी रहे। उनकी आत्मकथा सन 1936 ई. में प्रकाशित हुई थी। उनकी अन्य पुस्तकों में भारत एक खोज, भारत और विश्व, सोवियत रूस, विश्व इतिहास की एक झलक, भारत की एकता और स्वतंत्रता और उसके बाद उल्लेखनीय हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश में औद्योगीकरण को महत्व बहुत महत्व दिया। भारी उद्योगों की स्थापना को उन्होंने प्रोत्साहन दिया। विज्ञान के विकास के लिए सन1947 ई. में नेहरू ने 'भारतीय विज्ञान कांग्रेस' की स्थापना की। भारत के विभिन्न भागों में स्थापित वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अनेक केंद्र इस क्षेत्र में उनकी दूरदर्शिता के स्पष्ट प्रतीक हैं। खेलों में नेहरू की खास रुचि थी। उन्होंने खेलों को मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक बताया था। एक देश का दूसरे देश से मधुर सम्बन्ध क़ायम करने के लिए सन 1951 ई. में उन्होंने दिल्ली में प्रथम एशियाई खेलों का आयोजन कराया था। नेहरू ने भारत में लोकतांत्रिक समाजवाद की स्थापना का लक्ष्य रखा था। उन्होंने आर्थिक योजना की आवश्यकता पर भी बल दिया। वे सन 1938 ई. में कांग्रेस द्वारा नियोजित 'राष्ट्रीय योजना समिति' के अध्यक्ष भी बने। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वे 'राष्ट्रीय योजना आयोग' के प्रधान बने। नेहरू के व्यक्तिगत प्रयास से ही भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था।जवाहरलाल नेहरू ने निर्गुटता एवं पंचशील जैसे सिद्धान्तों का पालन कर विश्व बन्धुत्व एवं विश्वशांति को प्रोत्साहन दिया। उन्होंने पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, जातिवाद एवं उपनिवेशवाद के ख़िलाफ़ जीवनपर्यन्त संघर्ष किया। अपने क़ैदी जीवन में जवाहरलाल नेहरू ने 'डिस्कवरी ऑफ़ इण्डिया', 'ग्लिम्पसेज ऑफ़ वर्ल्ड हिस्ट्री' एवं 'मेरी कहानी' नामक पुस्तकों की रचना कर स्वयं को एक लेखक के रूप में भी सिद्ध किया।उनको बच्चे बहुत प्रिय रहे,बच्चे भी उन्हें चाचा नेहरू के रूप में सम्मान देते थे।तभी तो उनका जन्मदिन बालदिवस के रूप में मनाया जाता है।

चाचा नेहरू अब आ भी आओ
हमको अच्छे खिलौने दिलाओ
समय अब बहुत बदल गया है
बच्चों का भी खेल बदल गया है
गिल्ली डंडा ,कबड्डी नही रहे अब
कुश्ती,खो खो इतिहास हो गए अब
सब पर क्रिकेट का जुनून सवार है
मोबाईल खेल का बड़ा हथियार है
सांप सीडी लूडो से नही प्यार है
कार्टून फिल्मे ही हमे भाती है
कम्प्यूटर गेम खूब लुभाती है
गुलाब का फूल अब नही लेंगे
मिठाई भी पसन्द हम नही करेंगे
चावमीन, पिज्जा अच्छा लगता है
चॉकलेट, बर्गर हमे बहुत भाता है
बाल कल्याण की कोई नीति नही है
हमे लुभाने की कोई रीति नही है
चाचा नेहरू सिर्फ तुम्ही थे अपने
तुम्हारे बिन हमारे ध्वस्त है सपने
आज के नेताओं को सद्बुद्धि दे दो
बालदिवस पर एक छुट्टी दिला दो।

मानसून की दस्तक - सरकारी योजनायें - डूबते शहर

(लेखक- निर्मल रानी)

उत्तर भारत में मानसून दस्तक देने जा रहा है। निश्चित रूप से जो लोग भीषण गर्मी के प्रकोप से त्राहि त्राहि कर रहे हैं उन्हें वर्षा ऋतु से होने वाले मौसम परिवर्तन के बाद होने वाले तापमान में गिरावट से काफ़ी राहत महसूस होगी । परन्तु प्रकृति प्रदत्त यही राहत प्रायः उस समय मानव संकट में भी बदल जाती है जबकि मानसून में होने वाली यही बारिश इंसानों को सुकून व राहत देने के बजाये उसकी परेशानी,तबाही व बर्बादी का कारण बन जाती है। देश के कई राज्य आज भी ऐसे हैं जहाँ सरकार चाहते हुये भी बाढ़ के प्रकोप से इंसान व उसे होने वाले नुक़सान को नहीं बचा पाती है। मानसून शुरू होते ही विभिन्न राज्यों की अनेक उफ़नती हुई नदियां प्रत्येक वर्ष मानवीय तबाही का नया इतिहास लिखती हैं। कहीं पुल बह जाते हैं ,कहीं बाँध टूट जाते हैं,कहीं पूरे के पूरे गांव बाढ़ की विनाशलीला की भेंट चढ़ जाते हैं। हम प्रत्येक वर्ष ऐसा हालत से जूझने के लिये मजबूर रहते हैं तथा इसे प्रकृतिक बाढ़ प्रकोप या इससे उपजी विनाश लीला समझकर इसे स्वीकार कर लेते हैं। हालांकि इसतरह की अनियंत्रित बाढ़ में भी भ्रष्टाचार एक बड़ा कारक होता है। मिसाल के तौर पर नदियों के किनारे बनने वाले बांधों के निर्माण में बड़े पैमाने पर होने वाला भ्रष्टाचार,अवैध खनन, कमज़ोर पुलों व पुलों के खम्बों का घटिया स्तर का निर्माण आदि। परन्तु बाढ़ के प्रकोप को 'प्रकृतिक प्रकोप' मानकर सरकार स्वयं को किसी तरह की ज़िम्मेदारी से बचा ले जाती है। परन्तु शहरी इलाक़ों के डूबने की ज़िम्मेदार जहां मानवनिर्मित अनेक समस्यायें हैं वहीं सरकार की ग़लत योजनायें भी इसके लिये कम ज़िम्मेदार नहीं। उदाहरण स्वरूप शहरों में बनाई या मरम्मत की जाने वाली गलियां बार बार ऊँची से ऊँची की जाती हैं। और उनके दोनों तरफ़ की नालियों की गहराई को कम कर उसे और छिछला कर दिया जाता है। परिणाम स्वरूप अनेक मकानों का मुख्य स्तर गलियों व सड़कों से भी नीचे हो जाता है। इसकी वजह से थोड़ी सी भी बारिश का पानी मकानों में प्रवेश कर जाता है। और अगर बारिश तेज़ हो फिर तो गली मोहल्लों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। उधर हरियाणा के अंबाला जैसे विभिन्न राज्यों के विभिन्न शहरों में बरसाती तथा नालों के माध्यम से जल निकासी हेतु अनेक नये नालों का निर्माण किया गया है। इसी तरह प्रायः फ़्लाई ओवर्स के नीचे भी नाले बनाये गये हैं। आज यदि पूरी ईमानदारी के साथ इन नवनिर्मित नालों की स्थिति पर नज़र डाली जाये तो यह अधिकांश जगहों पर न केवल क्षति ग्रस्त मिलेंगे बल्कि ज़्यादातर नाले अवरुद्ध भी नज़र आयेंगे। तमाम जगहों पर यह नाले नालियां पूरी तरह ढके होंगे। इतने ढके कि इनकी न तो सफ़ाई की जा सकती है न ही इनमें जमे कीचड़ मलवे को निकाला जा सकता है। गोया सरकार, निर्धारित योजनानुसार निर्माण तो कर देती है। परन्तु उसे सुचारु रूप से प्रवाहित करने की ओर ध्यान नहीं देती। यदि करोड़ों रूपये ख़र्च करने के बावजूद नालों व नालियों से गन्दा पानी प्रवाहित नहीं हो रहा है और बजाये इसके यही नाली नाले शहरों में आने वाली बढ़ का कारण भी बने फिर जनता के पैसों की बर्बादी का आख़िर क्या औचित्य है ? शहरों के डूबने में सरकार के साथ साथ जनता भी कम दोषी नहीं है। जो गंदे नाले व नालियां गंदे घरेलू पानी या वर्षा जल को प्रवाहित करने के लिये होते हैं उन्हीं नालों में आपको मरे हुये जानवर,रज़ाई,गद्दे,कंबल,कपड़े,कांच व प्लास्टिक की बोतलें पॉलीथिन,प्लास्टिक,ईंट-पत्थर,जूते चप्पल,घरेलु कूड़ा करकट आदि न जाने क्या क्या पड़ा नज़र आयेगा। ज़ाहिर है यह 'कारगुज़ारी' सरकार की नहीं बल्कि आम लोगों की है। हमारी और आप की है। हमें यह समझना होगा कि हम नालियों का इस्तेमाल केवल गंदे जल के प्रवाह करने के मक़सद तक ही करें। इन्हें हम कूड़ा घर क़तई न बनने दें। हम स्वयं भी ऐसा न करें और यदि कोई ऐसा करते दिखाई दे तो उसे भी मना करें। इन्हीं लापरवाहियों के चलते बरसात के दिनों में शहरों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। और जो लोग नालों व नालियों को कूड़ाघर बनाते हैं उन्हीं के मकानों में वर्षा जल नालों के गंदे पानी के साथ प्रवेश करता है जोकि परेशानी व असुविधा के साथ साथ विभिन्न बीमारियों को भी दावत देता है।

इसके साथ साथ सरकार का भी कर्तव्य है कि वह युद्धस्तर पर शहरी नालों व नालियों की समुचित सफ़ाई करवाये। टूटे फूटे नालों व नालियों की मरम्मत कराये। इनमें जमी गाद व कचरा कूड़ा आदि पूरी तरह साफ़ करवाकर नाले नालियों के पानी की प्रवाह पूर्ण स्थिति सुनिश्चित करे। जिन लोगों ने अपनी सुविधानुसार अथवा सरकारी ठेकेदारों द्वारा नालों को इतनी दूर तक ढक दिया गया है कि उसके नीचे सफ़ाई कर पाना ही संभव नहीं,नालों के ऐसे ढके हिस्से को तुड़वाकर इन्हें खोलने की व्यवस्था की जाये ताकि सफ़ाई कर्मचारी सुगमता से इनकी सफ़ाई कर सकें। वर्तमान मशीनी युग में ऐसे नालों नालियों की सफ़ाई के लिये भी मशीनों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। नालों व नालियों का निर्माण या इनकी मरम्मत स्तरीय होनी चाहिये। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी ऐसी योजनाएं भी जहाँ बाढ़ का कारण बनती हैं वहीँ नालियों की गुणवत्ता की कमी से लोगों के घरों में भी नाले नाली के पानी का रिसाव होता है। इसकी वजह से मकान की नींव तो कमज़ोर होती ही है साथ ही घरों में सीलन भी पैदा होती है।

गली निर्माण व मुरम्मत के लिये भी सरकार स्पष्ट निर्देश जारी करे कि कोई भी गली पुरानी गली को खोद कर गली के उसी स्तर पर तैय्यार की जाये जो स्तर पूर्व में था। और यदि कोई ठेकेदार किसी गली को नये स्तर पर ऊँचा करता है इसका अर्थ है कि वह भ्रष्ट है और शहरवासियों को संकट में डालना चाहता है। ऐसे ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाये और यदि किसी अधिकारी की मिलीभगत से वह ऐसा कर रहा हो तो उस अधिकारी को भी पदमुक्त किया जाना चाहिये। यदि समय रहते सरकार ने नालों व नालियों की समुचित सफ़ाई नहीं करवाई तो मानसून अपनी दस्तक दे चुका है और निःसंदेह बिना रखरखाव वाली यही ग़लत सरकारी योजनायें प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष की वर्षा ऋतू में भी डूबते हुये शहरों का करक बन सकती हैं।

आज के कार्टुन

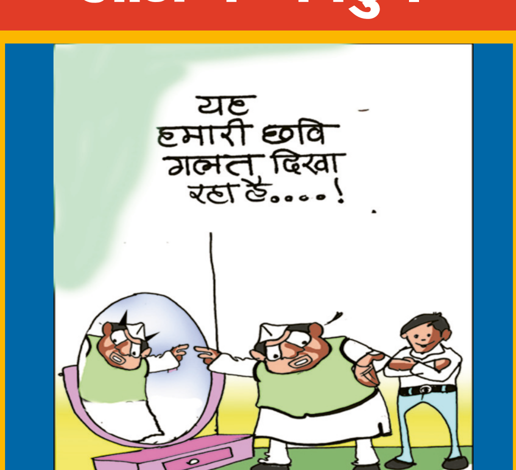

जीवन में स्थिरता

सद्गुरु

एक स्तर पर आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब होता है पर्वत की तरह स्थिर हो जाना। जब किसी इंसान का आधार बहुत स्थिर होता है, केवल तभी वह बहुत सारी चीजें कर सकता है। लोग अपने जीवन को काबू करके, उसमें कमी करके या काट-छांट करके उसे स्थिर करना चाहते हैं। यह आपकी दादी-नानी का तरीका है, जो आपसे हमेशा कहती होंगी, 'अपने को काबू करो, तभी तुममें स्थिरता आएगी।' आम तौर पर जो लोग स्थिरता की बात करते हैं, उनका अस्तित्व घुटा हुआ है। एक तरह से वे कब्जियत वाला जीवन जी रहे हैं। कब्ज का मतलब है कि यह थोड़ी-थोड़ी हो रही है। इसी तरह लोगों के जीवन में खुशी, प्यार, परमानंद, यहां वहां से थोड़ा-थोड़ा मिलता है। स्थिरता यह नहीं है-कि आपने अपने जीवन को इतना सीमित कर लिया है, संकुचित कर लिया है कि आप स्थिर हो गए हैं। स्थिरता वह है, जहां आप सब कुछ पूरी स्पष्टता के साथ देख सकें। इसीलिए आदि योगी का जिक्र होता है, क्योंकि हम लोग स्थिरता के साथ-साथ उल्लास से भरे नृत्य की बात भी करते हैं। दशर्न का मतलब देखना होता है। यह पूरी संस्कृति इसी के बारे में बात करती आई है। आप मंदिर कोई अरजी देने नहीं, बल्कि दशर्न के लिए जाते हैं, जिससे आप बेहतर देखने के काबिल हो सकें। बुनियादी तौर पर लोग जीवन में सामने की चीजों को भी नहीं देख पाते, तो उसकी वजह सिर्फ इतनी है कि उन लोगों ने जीवन में बहुत सारी चीजों के साथ अपनी पहचान बना कर रखी है। यह पहचान शरीर के साथ शुरू होती है, फिर आगे जाकर उसमें कई और चीजें जुड़ जाती हैं। जैसे ही आप किसी चीज के साथ पहचान बनाते हैं, आपके पूरे मन को यह समझ आ जाता है, कि इसे सुरक्षित रखने की जरु रत है, और फिर वो पूरी तरह से उसकी सुरक्षा के लिए काम करने लगता है। अब आप पूछेंगे, 'तो मैं अपने देश के साथ, धर्म के साथ और जाति के साथ पहचान कैसे खत्म करूं?' पहचान खत्म करने के लिए आपको इन सारी चीजों को खत्म करने की जरूरत नहीं है। अगर आप अपने शरीर से अपनी पहचान खत्म कर लेते हैं, तो बाकी पहचान अपने आप खत्म हो जाती हैं। हर चीज आपके शरीर की सीमित चारदीवारी के साथ आपकी पहचान का विस्तारित रूप है।

सू-दोकू नवताल ·2126

	7		3	4	2			
9	5			1	8		2	
2				5		8		3
	4		1			2	6	
1				9				8
	8	7			6		4	
4		5		7				6
	9		8	3			7	1
			9	6	5		3	

सू-दोकू ·2125 का हल

1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2126

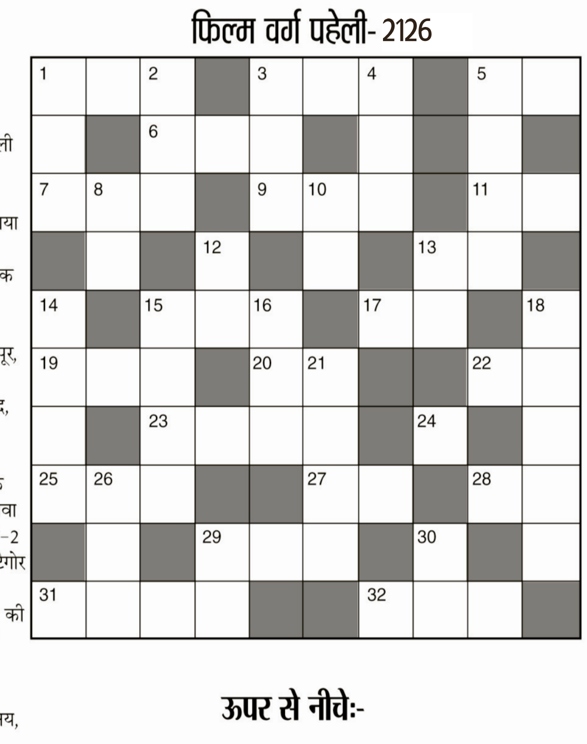

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-3
3. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
5. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-2
6. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
7. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-3
9. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-3
11. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-2
13. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-2
15. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-2,1
17. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
19. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-3
20. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-2
22. 'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-2
23. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-4
24. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-1
25. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-3
27. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-2
28. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-2
29. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
31. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-4
32. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. राहुल राय, शीबा की फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-3
4. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-3
5. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-4
8. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
12. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-2
13. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
14. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-4
15. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-4
16. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-3
18. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-5
21. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-4
26. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-3
29. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-2
30. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2125

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	रा		रौं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		रा		डॉ	न
या		आ	न		कि	ना	रा		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		पा	पी			रा	जा		
सा	ग	र		रा	खी		ने	पा	ल

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में 11 साल के निचले स्तर पर पहुंच सकता है पाम ऑयल का आयात

नई दिल्ली । भारत का पाम ऑयल आयात 19 फीसदी गिरकर 11 साल के सबसे निचले स्तर पर आ सकता है। इसका कारण यह है कि सोया तेल अब सस्ता है। साथ ही, इंडोनेशिया के पाम ऑयल एक्सपोर्ट पर पाबंदी और सरकार की सोया ऑयल के निशुल्क आयाते की अनुमति के कारण सोया ऑयल की बाजार में हिस्सेदारी बढ़ेगी। दुनिया के सबसे बड़े खाने के तेल के आयातक की ओर से पाम ऑयल की खरीदारी घटाने से मलेशियाई पाम ऑयल की कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। भारत सोया ऑयल के आयात के रिकॉर्ड ऊंचाई पर ले जाने के साथ अमेरिकी सोया ऑयल वायदा कीमतों को समर्थन दे सकता है। पांच डीलरों के औसत पूर्वानुमान के हवाले से रिपोर्ट के मुतो बिक 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाले मार्केटिंग वर्ष 2021-22 में भारत का पाम ऑयल आयात घटकर 6।7 मिलियन टन रह सकता है, जो 2010-11 के बाद सबसे कम होगा। इस साल सोया ऑयल का आयात एक साल पहले के मुकाबले 57 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 45 लाख टन पर पहुंच सकता है।

किआ इंडिया ने ईवी6 की बुकिंग शुरू की

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया ने कहा कि देश में अपने पहले इलेक्ट्रिक मॉडल ईवी6 की बुकिंग उसने शुरू कर दी है। ईवी6 बिजली चालित वाहनों के लिए समर्पित मंच द इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (ई-जीएमपी) पर आधारित है। इस साल भारत में ईवी6 की केवल 100 इकाइयां ही बेची जाएंगी जिन्हें पूर्ण रूप से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में लाया जाएगा। यह आयातीत मॉडल देश में अगले हफ्ते उतारा जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ईवी6 को तीन लाख रुपए की आरंभिक राशि देकर बुक किया जा सकता है। किआ इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि भारत का वाहन उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इसमें सबसे आगे है किआ। ईवी6 एक बार में पूरी चार्ज होने पर 528 किलोमीटर तक चल सकती है और महज 5.2 सेकेंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति ले सकती है।

बाटा इंडिया का मुनाफा बढ़कर 62.96 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । जूते बनाने वाली कंपनी बाटा इंडिया लिमिटेड का मुनाफा वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 62.96 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आय में वृद्धि से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है।बाटा इंडिया ने शेयर बाजार यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में कंपनी ने 29.47 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। कंपनी की परिचालन आय भी बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में 12.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 665.24 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 589.90 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बाटा इंडिया का कुल खर्च भी आलोच्य तिमाही के दौरान 6.29 प्रतिशत बढ़कर 599.39 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 563.90 करोड़ रुपए था। बाटा इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि पिछली दो तिमाहियों में हमने उपभोक्ता भावना में सुधार, कोविड-19 महामारी की गहरी समझ, टीकों की उपलब्धता और प्रतिबंधों में तेजी से ढील के चलते मांग में उल्लेखनीय सुधार देखा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी आई। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में आई बढ़त से आया है। इसी के साथ ही बाजार में पिछले दिनों से जारी गिरावट थम गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 503.27 अंक करीब 0.94 फीसदी बढ़कर 54,252.53 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 144.35 अंक तकरीबन 0.90 फीसदी ऊपर आकर 16,170.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, नेस्ले, विप्रो, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयरों ऊपर आये जबकि सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो और डॉ. रेड्डीज के शेयरों में गिरावट आई कारोबार के दौरान टाटा स्टील , जेएसडब्ल्यू स्टील , अपोलो हॉस्पीटल, एसबीआई और एचडीएफसी बैंक निफ्टी के शेयरों को लाभ हुआ जबकि वहीं आईटीसी, यूपीएल, डिविस लैब्, सन फार्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ के साथ बंद हुआ जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान के निक्की में गिरावट आई है। दूसरी ओर यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया नीचे आया है। विदेशी पूंजी की सतत निकासी के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से रुपये में यह गिरावट आई है। इससे विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 77.57 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इसी बीच विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने से रुपये की गिरावट पर कुछ हद तक थम गयी। इसके साथ ही अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.54 पर खुला और दिन के कारोबार में 77.65 के निम्न स्तर से लेकर 77.52 के उच्चतम स्तर तक पहुंचने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट के साथ 77.57 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार को रुपया 77.55 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी नीचे आकर 101.83 रह गया।

सरकार ने फिलहाल जीएसटी दरों में प्रस्ता वित बदलाव करने का फैसला टाला

- जुलाई के तीसरे या चौथे सप्ताह में जीएसटी काउंसिल की हो सकती है बैठक

नई दिल्ली । ऐसे समय में जब चीजों की कीमतें पहले से ही आसमान पर हैं, केंद्र व राज्य सरकारें टैक्स की दरों में कोई बदलाव कर नया रिस्क नहीं लेना चाहती हैं। दरअसल पहले तो कोरोना महामारी ने दुनिया भर को प्रभावित किया। उसके बाद रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई ने हालात बदतर बना दिया। इसके चलते अनाजों की कमी हो रही है और इनकी कीमतें बढ़ती जा रही हैं। ये बाहरी फैक्टर चीजों की कमी और महंगाई को प्रभावित कर रहे हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने टैक्स कलेक्शन बढ़ाने के लिए जीएसटी दरों में प्रस्तावित बदलाव को फिलहाल के लिए टालने का फैसला लिया है। जीएसटी के बारे में अंतिम निर्णय जीएसटी काउंसिल करती है। हालांकि लंबे अंतराल से काउंसिल की बैठक नहीं हुई है। जीएसटी काउंसिल की आखिरी बैठक पिछले साल सितंबर में लखनऊ में हुई थी। उन्होंने कहा कि जुलाई के तीसरे सप्ताह से संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है और बैठक को इसके बाद के लिए टाला नहीं जा सकता है। जानकारी के मुतो बिक जुलाई के तीसरे या चौथे सप्ताह में जीएसटी काउंसिल की बैठक की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि संसद सत्र से पहले भी जीएसटी काउंसिल की बैठक हो सकती है। हालांकि इस बात की संभावना काफी कम हैं कि बड़ी संख्या में चीजों के ऊपर लेवी लगाई जाए, क्योंकि इस साल के अंत में गुजरात और हिमाचल भारत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची महंगाई की मार से सिर्फ आम लोग ही प्रभावित नहीं हो रहे हैं. अब महंगाई सरकार के फैसलों पर असर डालने लगी है और इसके कारण जीएसटी के स्लैब व दरों में बदलाव की योजना को बाद के लिए टाल दिया गया है।

बीएमडब्ल्यू ने भारतीय बाजार में उतारी पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक सेडान 'आई4'

इसकी शुरुआती कीमत 69.9 लाख रुपये

गुरुग्राम ।

लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने गुरुवार को भारतीय बाजार में पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक सेडान 'आई4 उतारी है। इसकी शुरुआती कीमत 69.9 लाख रुपये है। कंपनी ने नवंबर 2021 में अपनी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा के तहत देश में छह महीने के अंदर तीन इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की योजना की घोषणा की थी। कंपनी पहले ही अपनी पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक एसयूवी 'आईएक्स और पूर्ण इलेक्ट्रिक मिनी लग्जरी हैचबैक उतार चुकी है। आई4 को पूर्ण रूप से तैयार इकाई के रूप में आयात किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि बीएमडब्ल्यू आई4 को कंपनी की वेबसाइट के द्वारा बुक किया जा सकता है। इसकी आपूर्ति जुलाई, 2022 की शुरुआत से शुरू होगी। कंपनी का दावा है कि आई4 5.7 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि बीएमडब्ल्यू को अगले साल तक देश में उसकी कुल कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विक्रम पावाह ने आई4 को पेश करने के दौरान कहा, हम विश्वस्तर पर पिछले 10 साल से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में सबसे आगे रहे हैं, भविष्य में भी हमें अग्रणी बने रहने की उम्मीद है।

बढ़ी मंहगाई में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की गुंजाइश कम

नई दिल्ली ।
मौजूदा महंगाई और कीमतों की स्थिति के बीच वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की गुंजाइश काफी कम है। मामले से जुड़े सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। बता दें कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में अभी चार टैक्स स्लैब, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत है। यानी, इन दरों के हिसाब से अलग-अलग चीजों पर टैक्स लगाता है। लेकिन, अभी इन टैक्स स्लैब को घटाकर संभवत~ तीन करने पर विचार हो रहा है। अगर ऐसा होता है, तब कुछ वस्तुओं पर टैक्स बढ़ेगा, जबकि कुछ पर कम होगा। वहीं, सोने और सोने के आभूषणों की बात करें तब इन पर तीन प्रतिशत टैक्स लगता है। लेकिन सूत्रों ने कहा है कि मंहगाई दर ज्यादा है। इसके बाद जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की गुंजाइश कम है। सूत्रों ने कहा कि जहां अर्थव्यवस्था 2021 में कोविड के प्रभाव से उबर रही थी, वहीं इस साल फिर से भू-राजनीतिक तनाव का असर इस पर पड़ेगा। सूत्र ने कहा, ''पूर्व में जीएसटी परिषद तत्कालीन स्थितियों से बेखबर नहीं थी।'' जीएसटी के तहत अभी आवश्यक वस्तुओं को या तब सबसे कम स्लैब में रखा गया है या फिर टैक्स से बाहर रखा गया है जबकि लग्जरी और समाज के नजरिये से अहितकर वस्तुओं पर उच्चतम स्लैब (28 प्रतिशत) लागू होता है। जीएसटी लागू होने से राज्यों के संभावित राजस्व के नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए उपकर भी लगाया जाता है। जीएसटी परिषद ने पिछले साल कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता में राज्य के मंत्रियों का एक पैनल गठित किया था, जो कर दरों को तर्कसंगत बनाकर और कर दरों में विसंगतियों को दूर करके राजस्व बढ़ाने के तरीके सुझाएगा। इससे पहले 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के समय, केंद्र ने राज्यों को जून 2022 तक 5 साल के लिए कम्पनसेट करने और 2015-16 को आधार वर्ष मानते हुए 14 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से उनके राजस्व की रक्षा करने पर सहमति व्यक्त की थी।

बीपीसीएल का मुनाफा चौथी तिमाही में 82 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का मुनाफा मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में 82 प्रतिशत घटकर 2,130.53 करोड़ रुपए रह गया है। लागत बढ़ने के बावजूद ईंधन के दाम काफी दिन तक स्थिर रहने के कारण कंपनी का मुनाफा घटा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में उसे 11,940.13 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। बीपीसीएल की परिचालन आय 25 प्रतिशत बढ़कर 1.23 लाख करोड़ रुपए रही। इसका कारण तेल के दाम में तेजी है लेकिन पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी पर नुकसान से वित्तीय परिणाम पर असर पड़ा। बीपीसीएल और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने कच्चे माल (कच्चा तेल) के दाम में तेजी के बावजूद काफी दिन तक पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़ाए। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान बीपीसीएल का लाभ 9,076.50 करोड़ रुपए रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 19,110.06 करोड़ रुपए था।

महंगाई के बढ़ते ग्राफ ने तीन महीने में बढाया 10 फीसदी घर का खर्च

नई दिल्ली ।

बेतहाशा भड़ती महंगाई ने आम आदमी का जीवन जीना दूभर कर दिया है। ताजा सर्वे में पता चला है कि आम आदमी के रोजमर्रा खर्चों में हर महीने 10 फीसदी का इजाफा हो चुका है। यह बढ़ोतरी पिछले तीन महीने में हुई है। मनीकंट्रोलकी खबर के मुताबिक, लोकल सर्किल ने हाल में देश के 323 जिलों में 12 हजार से अधिक घरों में एक सर्वे किया। इस सर्वे से मिले 23,500 लोगों के रिस्े पांस से पता चला है कि पिछले तीन महीने में ही घर का खर्च 10 फीसदी बढ़ गया है। सर्वे में शामिल 10 में से 7 लोगों का कहना है कि उनके घर का खर्च तीन महीने के भीतर बढ़ गया है। इस दौरान औसत कीमत 15 फीसदी की दर से बढ़ी है। सर्वे में शामिल लोगों ने इस बात की भी आशंका जताई कि आगे भी महंगाई और झटके देगी। 55 फीसदी लोगों ने कहा, महंगा पेट्रोल-डीजल अभी राहत नहीं लेने देगा और आने वाले तीन महीने में घर का खर्च फिर 10 फीसदी बढ़ सकता है। सर्वे में शामिल लोगों ने कहा कि महंगाई बढ़ने की वजह से उनकी बचत भी खत्े म हो रही है और आगे भी आमदनी बढ़ने से पहले खर्चों का बोझ बढ़ता दिख रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ दुनियाभर में चल रही भूराजनैतिक तनावों की वजह से कई तरह की कमोडिटी की सप्े लाई पर असर पड़ा और घरेलू बाजार में भी कीमतों में वृद्धि हुई। इसका सीधा असर आम आदमी के खर्चों के साथ इकॉनमी पर भी दिख रहा है। यही कारण है कि 55 फीसदी लोगों ने आगे भी महंगाई बढ़ने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि अगले तीन महीने में फिर घर का खर्च 10 फीसदी बढ़ सकता है। एक तरफ महंगाई लगातार बढ़ती जा रही तो दूसरी ओर केंद्र और राज्े य सरकारें जनता को राहत देने के लिए तरह-तरह के कदम उठा रहे हैं। इस कड़ी में ही हाल में केंद्र सरकार ने पेट्रोल की कीमत में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। इससे महंगाई से त्रस्त जनता को काफी राहत मिली है।

सीसीईए ने हिंदुस्तान जिंक में सरकार की 29 फीसदी हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दी

- बिक्री से सरकार को प्राप्त हो सकते हैं करीब 38,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) में सरकार की शेष 29.58 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचने की मंजूरी दे दी है। इस बिक्री से सरकार को करीब 38,000 करोड़ रुपए प्राप्त हो सकते हैं। जानकारी के मुतो बिक सीसीईए ने हिंदुस्तान जिंक में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस कदम से सरकार को चालू वित्त वर्ष में अपने विनिवेश लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश और रणनीतिक बिक्री से 65,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। सरकार चालू वित्त वर्ष में पहले ही जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 20,500 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। तीन में से दो बोलीदाताओं के पीछे हटने के बाद भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) का निजीकरण रुक गया है। इसके बाद सरकार ने हिंदुस्तान जिंक के निजीकरण का फैसला किया है।

इसके अलावा शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के निजीकरण में भी प्रक्रियागत विलंब हो रहा है। 29.58 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के तहत 124.96 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। इससे मौजूदा मूल्य पर सरकार को 38,000 करोड़ रुपए मिल सकते हैं। बीएसई में हिंदुस्तान जिंक का शेयर बुधवार को 3.14 प्रतिशत चढ़कर 305.05 रुपए पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 317.30 रुपए के उच्चस्तर तक गया था। सरकार ने 2002 में हिंदुस्तान जिंक में अपनी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता समूह की स्टरलाइट को 40.5 रुपए प्रति शेयर के मूल्य पर बेची थी। एक साल बाद समूह ने सरकार से कंपनी की 18.92 प्रतिशत और हिस्सेदारी का अधिग्रहण की थी। इन दो लेनदेन में सरकार को 769 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे।

एक जून से थर्ड पार्टी मोटर बीमा प्रीमियम बढ़ेगा

- एक हजार सीसी क्षमता इंजन वाली निजी कारों के लिए प्रीमियम 2094 रुपए होगा

नई दिल्ली ।
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए थर्ड पार्टी मोटर वाहन बीमा के प्रीमियम बढ़ाने की घोषणा की है जो एक जून से लागू होगी। इससे कार और दोपहिया वाहनों का बीमा महंगा होने की संभावना है। मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संशोधित दर के मुताबिक एक हजार सीसी क्षमता इंजन वाली` निजी कारों के लिए प्रीमियम 2094 रुपये होगा जो वर्ष 2019-20 में 2072 रुपये था। इसी प्रकार 1000 से 1500 सीसी इंजन की निजी कारों के लिए अब 3221 रुपये के बजाय 3416 रुपये प्रीमियम देना होगा। हालांकि 1500 से अधिक सीसी की निजी कारों के लिए थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम में कमी की गई है और यह 7,897 रुपये से घटकर 7890 रुपये हो जाएगा। इसी प्रकार 150 से 350 सीसी तक के दो पहिया वाहनों का प्रीमियम 1366 रुपये होगा जबकि 350 से अधिक सीसी के दोपहिया वाहन के लिए यह दर 2804 रुपये होगी।

1000 सीसी से कम क्षमता वाली नई कार के लिए तीन साल का सिंगल प्रीमियम 6,521 रुपये होगा जबकि 1000 सीसी से 1500 सीसी इंजन वाली कारों के लिए यह 10,640 रुपये होगा। 1500 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाली नई कारों के लिए तीन साल का प्रीमियम 24,596 रुपये होगा।

इसी तरह 75 सीसी तक क्षमता वाले दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल का सिंगल प्रीमियम 2901 रुपये, 75 सीसी से 150 सीसी तक क्षमता वाले वाहनों के लिए 3,851 रुपये तथा 150 सीसी और 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों के लिए 7,365 रुपये होगा। 350 सीसी से अधिक क्षमता वाले दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल का सिंगल प्रीमियम 15,117 रुपये होगा। 30 केडब्ल्यू तक के नए प्राइवेट इलेक्ट्रिक वीकल के लिए तीन साल का सिंगल प्रीमियम 5,543 रुपये का होगा। 30 केडब्ल्यू से 65 केडब्ल्यू अधिक क्षमता वाले ईवी के लिए यह 9,044 रुपये होगा। बड़े ईवी के लिए तीन साल का प्रीमियम 20,907 रुपये होगा। तीन केडब्ल्यू तक के नए दोपहिया ईवी वाहनों का पांच साल का सिंगल प्रीमियम 2,466 रुपये होगा। इसी तरह तीन से सात केडब्ल्यू तक के दोपहिया ईवी वाहनों का प्रीमियम 3,273 रुपये और सात से 16 केडब्ल्यू तक का प्रीमिय 6,260 रुपये होगा।

विश्व बैंक को आर्थिक मंदी की आशंका, रूस-यूक्रेन जंग बन रही बड़ी वजह

नई दिल्ली ।

विश्व बैंक ने वैश्विक मंदी की आशंका जताई है। विश्व बैंक के प्रेसिडेंट डेविड मालपास ने कहा है कि युद्ध का असर खाद्य पदार्थों, ऊर्जा और फर्टिलाइजर की आपूर्ति पर पड़ रहा है। इसके चलते वैश्विक मंदी आ सकती है।

संकट को देखते हुए विश्व बैंक ने पहले ही 2022 के अपने ग्लोबल ग्रोथ अनुमान को 1 फीसदी घटा कर 3.2 फीसदी कर दिया है। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में डेविड मालपास ने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों की वजह से जर्मनी की इकोनॉमी सुस्त हो गई है। जर्मनी दुनिया की चौथी बड़ी इकोनॉमी है। वहीं, फर्टिलाइजर के कम उत्पादन से दूसरे देशों के हालात बिगड़ सकते हैं।

डेविड मालपास ने कहा, 'ग्लोबल जीडीपी को देखते हुए अभी यह कहना मुश्किल है कि मंदी से कैसे बच सकते हैं।' युद्ध की वजह से रूस और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आने का अनुमान है। वहीं यूरोपीय देश, चीन और अमेरिका की रफ्तार ज्यादा सुस्त हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थों और ऊर्जा की कीमतों में उछाल की वजह से विकासशील देशों को ज्यादा मुश्किल हो रही है। विश्व बैंक प्रमुख ने कहा, %ऊर्जा की कीमतें यदि बढ़ कर दोगुनी हो जाती है तो मंदी को बढ़ावा देने के लिए ये अकेला ही पर्याप्त है। कोविड-19 महामारी, महंगाई और रियल एस्टेट से जुड़े मुद्दों के चलते चीन की ग्रोथ असाधारण रूप से सुस्त हो रही है।'

भारत में कोविड-19 से प्रभावित एमएसएमई कंपनियों की सहायता के लिए विश्व बैंक ने जून 2021 में 50 करोड़ डॉलर की कर्ज योजना को मंजूरी दी थी। इसके अलावा केंद्र सरकार भी एमएसएमई कॉम्पिटीटिवनेस प्रोग्राम के जरिये लघु, छोटे एवं मध्यम उद्योगों का प्रदर्शन सुधारने में जुटी है। इस योजना का मकसद 5.55 लाख से ज्यादा एमएसएमई के प्रदर्शन में सुधार करना है।

दूसरे क्वालीफायर में आज आरसीबी और रॉयल्स में होगी टक्कर

अहमदाबाद (एजेंसी)।

आईपीएल के 15 वें सत्र में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। लखनऊ जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में मिली जीत से आरसीबी उत्साहित है और अब उसका लक्ष्य खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। वहीं दूसरी ओर पहले क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस से मिली करीबी हार को भुलाकर राजस्थान रॉयल्स की टीम इस मैच को जीतकर फाइनल में जगह बनाने उतरेगी। ऐसे में इस मैच के रोमांचक होने के आसार हैं क्योंकि दोनो ही टीमें जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी।

आरसीबी की टीम इस सत्र में खेल से अधिक किस्मत के सहारे प्लेऑफ में पहुंची है और अब उसका लक्ष्य पहले बार यह खिताब जीतना रहेगा। आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फार्म में आ गये हैं।

विराट ने कहा ,'' अहमदाबाद में फिर खेलने को लेकर बेताब हैं। हम अब तक के अपने प्रदर्शन से खुश हैं। उम्मीद है कि दो मैच और जीतकर खिताबी जीत का जश्न मनाएंगे।''

वहीं एलिमिनेटर में नाबाद शतक लगाकर आरसीबी को जीत दिलाने वाले रजत पाटीदार राजस्थान के खिलाफ भी बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। आईपीएल मेगा नीलामी में किसी टीम ने रजत को नहीं खरीदा था। इसके बाद वह वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में आरसीबी का हिस्सा बने और उनकी एक पारी ने मैच बदल दिया।

विराट और कप्तान फाफ डु प्लेसी से भी टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। पिछले मैचों में कम स्कोर के बाद अब यह दोनो ही बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। वहीं 'फिनिशर' के तौर पर दिनेश कार्तिक अपने को साबित करना चाहेंगे।

गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास वानिंदु हसरंगा , हर्षल पटेल जैसे शानदार गेंदबाज है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी पिछले मैच में प्रभावित किया था। वहीं डैथ ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले जोश हेजलवुड को खेलना राजस्थान के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान के पास जोस बटलर और कप्तान संजू सैमसन जैसे बल्लेबाज हैं। बटलर और सैमसन पर अंकुश लगाना आरसीबी के गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती रहेगा। इन दोनो ने ही एलीमिनेटर मुकाबले में जबरदस्त बल्लेबाजी की थी हालांकि वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। सैमसन इस मैच में कप्तानी पारी खेलना चाहेंगे।

उसके गेंदबाजों को पिछले मैच की गलतियों को भूलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम के पास गेंदबाजी में अनुभवी आर अश्विन, कुलदीप यादव के अलावा युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और ट्रेंट बोल्ट हैं।

मिश्रित युगल के दूसरे राउंड में पहुंची सानिया-इवान की जोड़ी

पेरिस (एजेंसी)।

अपने टेनिस करियर का आखिरी फ्रेंच ओपन खेल रहीं सानिया मिर्जा ने मिश्रित युगल मैच के पहले राउंड में जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की है। भारत की सानिया मिर्जा ने बुधवार को हुए मुकाबले में अपने साथी क्रोएशिया के इवान डोडिग के साथ मिलकर जर्मनी की लॉरा सिगमंड और मेक्सिको के सैंटियागो गोंजालेज के खिलाफ 7-6(4), 6-2 से सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ सानिया-इवान की जोड़ी फ्रेंच ओपन के दूसरे राउंड में पहुंच गई है। महेश भूपति के साथ 2012 में रौलां गैरो जीतने वाली सानिया इस क्ले-कोर्ट ग्रैंड स्लैम में आख़िरी बार खेल रही हैं। उन्होंने इस टेनिस सीजन के बाद सन्यास लेने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि भारत की टेनिस स्टार 26 मई को अपनी चेकोस्लोवाकिया की साथी लुसी ह्राडेका के साथ पहले राउंड में इटली की जासमीन पाओलिनी और माटिर्नी ट्रेविसान का सामना करेंगी।

अनुबंध नहीं मिलने से नाराज महिला क्रिकेटर एमी ने संन्यास लिया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।

सालाना अनुबंध नहीं मिलने से नाराज न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान एमी सैटरथवेट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की घोषणा कर दी है हालांकि वह घरेलू क्रिकेट खेलती रहेंगी। साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाली एमी ने अपने 15 साल लंबे करियर में न्यूजीलैंड की ओर से 111 टी20 और सबसे ज्यादा 145 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं। साल 2018-19 में न्यूजीलैंड की कप्तान रही एमी कैंटरबरी मजीशियन्स की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलती रहेंगी। इसके अलावा वह अगस्त में होने वाले 'वुमेन्स हंड्रेड' टूर्नामेंट में भी मैनचेस्टर ओरिजिनल की ओर से खेलेंगी। एमी ने कहा, 'मैं बेहद खुशी होकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर रही हूं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के नई दिशा में बढ़ने और युवा खिलाड़ियों को अनुबंध दिये जाने के बाद मेरे लिए खेलना जारी रखना संभव नहीं था।' साथ ही कहा, 'मैं अनुबंध न मिलने के कारण निराश हूं और मेरा मानना है कि मैं अभी टीम हित में और योगदान दे सकती थी। फिर भी, मैं न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के निर्णय को मैं स्वीकार करती हूं और आगामी क्रिकेट सत्र के लिए टीम को शुभकामनाएं देती हूं। मैं उनका लगातार समर्थन करती रहूंगी।'

न्यूजीलैंड महिला टीम की ओर से सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली एमी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में सात शतक और 27 अर्ध-शतकों सहित 38.33 की औसत से 4,639 रन बनाए हैं। उन्होंने एकदिवसीय मुकाबलों में 50 विकेट भी लिए। इस खिलाड़ी ने अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर में 1784 रन बनाए हैं।

अदालत के हॉकी इंडिया पद को 'अवैध' घोषित करने के बाद आईओए अध्यक्ष पद से हटाए गए नरिंदर बत्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली उच्च न्यायालय के हॉकी इंडिया में 'आजीवन सदस्य' पद को अवैध घोषित किए जाने के बाद अनुभवी खेल प्रशासक नरिंदर बत्रा को बुधवार को भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पद से हटा दिया गया जबकि इसके आधार पर ही उन्होंने 2017 में शीर्ष संस्था का चुनाव लड़ा और जीता था। आईओए के सीनियर उपाध्यक्ष अनिल खन्ना को कार्यवाहक प्रमुख बनाया गया है।

बत्रा ने आईओए पद का अपना नामांकन हॉकी इंडिया के (आजीवन सदस्य) प्रतिनिधि के तौर पर ही भरा था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को उनके आजीवन सदस्य और आजीवन अध्यक्ष पद को 'अवैध' घोषित किया क्योंकि यह राष्ट्रीय खेल संहिता के अंतर्गत नहीं था और हॉकी इंडिया के रोजमर्रा के कामकाज की देखरेख के लिए तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (आईओए) नियुक्त की।

पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य असलम शेर खान की बत्रा की हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के तौर पर नियुक्ति पर चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत यह फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति नजमी वजीरी और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रतिवादी नंबर दो (हॉकी इंडिया) का प्रशासनिक ढांचा, आजीवन अध्यक्ष और आजीवन सदस्यों के कारण गलत और अवैध ढंग से गठित है।

उन्होंने कहा- भारत सरकार ऐसे राष्ट्रीय खेल महासंघ को मान्यता नहीं दे सकती जिसका संविधान खेल संहिता के अंतर्गत नहीं हो। राष्ट्रीय खेल महासंघ में आजीवन अध्यक्ष, आजीवन सदस्य के पद अवैध हैं और साथ ही प्रबंधन समिति में सीईओ का पद भी। इन पद को हटाया जाता है। उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद आईओए ने एक बयान जारी कर कहा कि खन्ना अब संस्था के कार्यवाहक प्रमुख होंगे।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए ताइजुल पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

दुबई। बांग्लादेश के स्पिनर ताइजुल इस्लाम पर ढाका में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। ताइजुल को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से संबंधित आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.9 के उल्लंघन का दोषी पाया गयाजो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी की ओर या उसके समीप अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने से जुड़ा है। मैच फीस की कटौती के अलावा ताइजुल के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ गया। यह 24 महीने के समय में ताइजुल का पहला अपराध है। यह घटना बुधवार को श्रीलंका की पारी के 69वें ओवर में हुई जब ताइजुल ने गेंदबाजी के बाद गेंद को रोका और इसे एंजेलो मैथ्यूज की ओर फेंका दिया जो उन्हें जाकर लगी। मैथ्यूज क्रीज पर खड़े थे और उनका रन लेने का कोई इरादा नहीं था।

फ्रेंच ओपन: ग्रैंड स्लेम में 300वां मुकाबला जीते राफेल नडाल

पेरिस । रौलां गैरो के 13 बार के विजेता स्पेन के स्पेन के राफेल नडाल ने बुधवार को अपना 300वां ग्रैंड स्लेम मुकाबला जीतते हुए फ्रेंच ओपन के तीसरे राउंड में प्रवेश कर लिया। स्पेन के टेनिस स्टार नडाल ने कोर्ट फिलिप चैटरियर में हुए मुकाबले में फ्रांस के कोरेंटिन मुटेट को लगातार सेटों में 6-3, 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। रिकॉर्ड 21 बार ग्रैंड स्लेम का खिताब अपने नाम करने वाले नडाल 300 ग्रैंड स्लेम मुकाबले जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले रोजर फ़ेडरर 369 और नोवाक जोकोविच 324 ग्रैंड स्लेम मुकाबले जीत चुके हैं। नडाल ने मैच के बाद कहा, 'पिछले दो महीने मेरे लिये आसान नहीं रहे हैं। सीज़न की शुरुआत बेहतरीन, अविस्मरणीय और बेहद भावपूर्ण रही है।' उन्होंने कहा, 'इंडियन वेल्स के बाद मेरी पसलियों में कुछ समस्या के कारण मुझे कोर्ट से दूर जाना पड़ा था, इसलिए मैं दिन-प्रतिदिन प्रयास कर रहा हूं और मुकाबले जीतने से बहुत मदद मिलती है। आज रात की तरह मुकाबले जीतना बहुत महत्वपूर्ण है। यह मुझे कल फिर अभ्यास करने और कल के बाद एक और मुकाबला खेलने का मौका देता है। मैं अभी सिर्फ इस बात से खुश हूं कि मैं रौलां गैरो में हूं, जो इस साल मेरे लिये सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है।'

राहुल चार सत्रों में 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

कोलकाता । लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। राहुल आईपीएल के चार सत्रों में 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। इस दौरान राहुल ने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। राहुल ने आईपीएल 2022 सत्र के 15 मैचों में 661 रन बनाए हैं। इससे पहले राहुल ने साल 2021 संस्करण के 13 मैचों में 626 रन जबकि 2020 सत्र के 14 मैचों में 670 रन और आईपीएल लीग के 2018 वे संस्करण में 659 रन बनाए थे।

वहीं इससे पहले गेल और वार्नर ने तीन अलग-अलग सत्रों में आईपीएल में 600 से अधिक रन बनाए हैं और अब वह इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। आरसीबी की ओर से खेलते हुए गेल ने लगातार तीन साल (2011, 2012, 2013) में 600 बनाये थे , वहीं दूसरी ओर वार्नर ने भी सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान के रूप में 2016 से 2019 तक लगातार तीन सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे।

श्रीलंका बनाम बांग्लादेश: एंजेलो मैथ्यूज का लगातार दूसरे टेस्ट में शतक, श्रीलंका मजबूत स्थिति में

ढाका (एजेंसी)।

लगातार दूसरे टेस्ट में शतक के करीब पहुंचे एंजेलो मैथ्यूज ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को लंच तक 5 विकेट पर 369 रन पर पहुंचाकर 4 रन की बढ़त दिला दी। पहले टेस्ट की पहली पारी में 199 रन बनाने वाले मैथ्यूज ने नाबाद 93 रन बनाए और दिनेश चांदीमल के साथ छठे विकेट की अटूट साझेदारी में 103 रन जोड़ लिए।

चांदीमल 61 रन बनाकर खेल रहे हैं। अपने कल के स्कोर पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेलते हुए श्रीलंका ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। चांदीमल ने पहले ही ओवर में इबादत हुसैन को चौका लगाया। मैथ्यूज को कल 37 के स्कोर पर जीवनदान देना बांग्लादेश को काफी भारी पड़ा। बांग्लादेश के लिए पहला सत्र निराशाजनक रहा। चांदीमल जब 43 रन पर थे तो मोमिनुल हक की गेंद उनके बल्ले के करीब से गुजरी लेकिन श्रीलंका ने मैदानी अंपायर के फैसले पर रिव्यू लिया और तीसरे अंपायर का फैसला बल्लेबाज के पक्ष में रहा।

बहरहाल दूसरी पारी में खेलने उतरी बांगलादेश की खराब शुरूआत हुई है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज आषिथा फर्नांडो ने तमिम इकबाल को 0 पर आऊट कर बांगलादेश को पहला झटका दिया। इसके बाद नजमुल भी 2 रन बनाकर रन आऊट हो गए। कप्तान मोमिनुल हक 0 पर ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद फर्नांडो ने फिर से स्ट्राइक करते हुए ओपनर हसन जोय का विकेट निकाल लिया। बांगलादेश के 13 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 34 रन थे और अभी वह 107 रन से पीछे चल रहा है।

भारत के मुरली श्रीशंकर ने यूनान में लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली । भारत के लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने यूनान में 12वीं अंतरराष्ट्रीय जंपिंग मीट में 8.31 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता। टोक्यो ओलंपिक खेल चुके श्रीशंकर के नाम 8.36 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। स्वीडन के टोबियास मोंटलेर ने 8.27 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता जबकि फ्रांस के जुलेस पोमेरी को कांस्य पदक मिला। सिर्फ शीर्ष तीन खिलाड़ी ही आठ मीटर से आगे निकल सके। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने ट्वीट किया, 'श्रीशंकर ने यूनान के कालिथिया में 12वीं अंतरराष्ट्रीय जंपिंग मीट में 8.31 मीटर की कूद लगाई।' ओलंपिक के बाद से पहली अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में भाग ले रहे श्रीशंकर ने कल अभ्यास में 7.88 और 7.71 मीटर की कूद लगाई थी। केरल के इस एथलीट ने सत्र की पहली इंडिया ओपन जंप्स मीट में 8.14 और 8.17 मीटर की कूद लगाई थी। उन्होंने कोझिकोड में फेडरेशन कप में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा।

आईपीएल में लखनऊ का अभियान खत्म, आरसीबी ने 14 रनों से हराया, रजत पाटीदार चमके

जकार्ता (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ आईपीएल 2022 में लखनऊ का अभियान खत्म हो चुका है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने लखनऊ को 14 रनों से हरा दिया। आईपीएल के फाइनल में पहुंचने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। गुजरात टाइटंस पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी है। 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम 6 विकेट खोकर 193 रन ही बना सकी। लखनऊ की ओर से सबसे ज्यादा कप्तान केएल राहुल ने सबसे ज्यादा रन बनाए। इसके अलावा दीपक हुडा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। बेंगलुरु की ओर से हर्षल पटेल ने शानदार गेंदबाजी की। एक वक्त लखनऊ इस मैच में अच्छी पोजीशन में नजर आ रही थी। हालांकि बीच के ओवर में लखनऊ की ओर से अच्छे रन नहीं बने जिसका खामियाजा टीम को उठाना पड़ा।

इससे पहले रजत पाटीदार के करियर के पहले शतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने चार विकेट पर 207 रन बनाए। पाटीदार ने 54 गेंद में 12 चौकों और सात छक्कों से नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने विराट कोहली (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और दिनेश कार्तिक (नाबाद 37) के साथ पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 6.5 ओवर में 92रन की अटूट साझेदारी की। पाटीदार और कार्तिक ने डेथ ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी की जिससे आरसीबी की टीम अंतिम पांच ओवर में 84 रन बटोरने में सफल रही। पाटीदार मौजूदा सत्र में शतक जड़ने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर और सुपर जाइंट्स के लोकेश राहुल तथा क्विंटन डिकॉक शतक जड़ चुके हैं। बारिश के कारण यह मुकाबला लगभग 40 मिनट की देरी से शुरू हुआ लेकिन ओवरों में कोई कटौती नहीं की गई। सुपर जाइंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद मोहसिन खान (25 रन पर एक विकेट) ने पहले ही ओवर में आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी (00) को विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक के हाथों कैच कराके टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। कोहली और पाटीदार दोनों ने दुष्मंता चमीरा पर चौके मारे।

चेसेबल मास्टर्स : प्रग्गानंधा ने अनीश गिरि को हराया, फाइनल में चीन के लिरेन से सामना

चेन्नई। युवा ग्रैंड मास्टर आर. प्रग्गानंधा मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर चेसेबल मास्टर्स टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए जिन्होंने नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरि को 3.5-2.5 से हराया। 4 गेम का ऑनलाइन सैमीफाइनल मैच 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद प्रग्गानंधा ने टाइब्रेकर में डच धुरंधर को मात दी। गिरि की यह टूर्नामेंट में पहली हार थी। अब उनका सामना चीन के डिंग लिरेन से होगा जो दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। लिरेन ने दूसरे सैमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैगनस कार्लसन को 2.5-1.5 से हराया। सैमीफाइनल में प्रग्गानंधा पहला गेम हार गए लेकिन दूसरे में वापसी की।

आईबीए खिलाड़ी समिति की अध्यक्ष बनी लवलीना, बोलीं- भारतीय मुक्केबाजी को बढ़ावा देने में मिलेगी मदद

नयी दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को खिलाड़ी समिति का अध्यक्ष चुना गया और वोटिंग अधिकार के साथ निदेशक मंडल में शामिल किया गया है। अंतराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। महिला विश्व चैंपियनशिप 2022 के दौरान हुए चुनाव में लवलीना को सर्वाधिक मत मिले। लवलीना ने विज्ञप्ति में कहा, ''आईबीए की खिलाड़ी समिति का अध्यक्ष चुने जाने पर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं, मैंने सदस्य बनने की उम्मीद की थी लेकिन कभी नहीं सोचा था कि मैं समिति की अध्यक्ष बनूंगी, इससे मुझे भारतीय मुक्केबाजी को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, विशेषकर दुनिया की अन्य मुक्केबाजों के बीच महिला मुक्केबाजी का प्रचार करने में।'' उन्होंने कहा, ''यह मुक्केबाजी को बढ़ावा देने का मेरे पास बड़ा मौका है और मैंने सबसे पहले अन्य सदस्यों और दुनिया भर के मुक्केबाजों के साथ चर्चा करने की योजना बनाई है कि इस साल मुक्केबाजी में क्या करने की जरूरत है और इसके बाद समिति के निदेशक मंडल के सुझाव और शिकायतों पर गौर किया जाएगा।'' भारतीय मुक्केबाज शिव थापा को भी 2021 आईबीए पुरुष विश्व चैंपियनशिप के दौरान हुए चुनाव में आईबीए की खिलाड़ी समिति का सदस्य चुना गया था। लवलीना और थापा का चयन उन मुक्केबाजों ने किया जिन्होंने पुरुष और महिला विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लिया जिनका आयोजन क्रमशः अक्टूबर 2021 और मई 2022 में किया गया।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

सार समाचार

विमान ईंधन पर कर कटौती को लेकर फिलहाल कोई निर्णय नहीं: सूत्र

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने विमान ईंधन के दाम में कमी लाने के लिये कर में कटौती को लेकर नागर विमानन मंत्रालय के अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं किया है। एक शीर्ष सूत्र ने बुधवार को यह कहा। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया विमान ईंधन (एटीएफ) पर कर की ऊंची दर में कमी लाने की वकालत करते रहे हैं। हालांकि, कई राज्य पहले ही मूल्यवर्धित कर (वैट) में उल्लेखनीय कटौती कर चुके हैं। सूत्र ने कहा, 'उन्होंने (नागर विमानन मंत्रालय) कीमतों में कमी को लेकर हमसे संपर्क साधा है। हालांकि, अभी तक इसपर कोई निर्णय नहीं हुआ है।' सूत्र ने कहा कि नागर विमानन मंत्रालय इस मामले में लगातार वित्त मंत्री के साथ चर्चा कर रहा है। अबतक 23 राज्यों ने विमान ईंधन पर वैट में 20 से 30 प्रतिशत की कमी की है। और अब वे चाहते हैं कि केंद्र सरकार उत्पाद शुल्क घटाये। एयरलाइन की परिचालन लागत का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा विमान ईंधन पर खर्च होता है। वैझश्विक स्तर पर ऊजार्के ऊंचे दाम के कारण विमान ईंधन के दाम इस समय रिकॉर्ड स्तर पर हैं।

भारत कोविड टीकाकरण में अफ्रीका की सहायता को प्रतिबद्ध : मांडविया

दावोस। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत कोविड-रोधी टीके की उपलब्धता और टीकाकरण में अफ्रीका का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र को संबोधित करते हुए मांडविया ने चिकित्सा संबंधी मामलों पर अफ्रीकी देशों की अनुसंधान और विकास क्षमता को बढ़ाने में भी सहयोग देने का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात को भी रेखांकित किया कि किस तरह भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक धरती, एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए महामारी के दौरान दुनिया भर के 100 से अधिक देशों को कोविड-रोधी टीके की आपूर्ति और 150 देशों को दवाएं उपलब्ध कराके लाखों लोगों की जान बचाई। मंडाविया ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों पीयूष गोयल और हरदीप सिंह पुरी के साथ डब्ल्यूईएफ के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष क्लॉस श्वाब से भी मुलाकात की और वैश्विक स्वास्थ्य संरक्षण और कोविड महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में भारत की भूमिका पर भी चर्चा की।

काबुल की मस्जिद में धमाका, अलग-अलग विस्फोटों में 14 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मस्जिद के भीतर हुए एक विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और देश के उत्तर में तीन मिनी वैन में हुए बम विस्फोटों में नौ लोगों की मौत हो गई। तालिबान ने यह जानकारी दी। मिनी वैन में हुए विस्फोटों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबद्ध एक स्थानीय समूह ने ली है। 'काबुल इमरजेंसी हॉस्पिटल' ने बताया कि मस्जिद में बमबारी के कारण घायल हुए 22 लोग अस्पताल लाए गए, जिनमें से पांच की मौत हो गई। काबुल में तालिबान पुलिस के एक प्रवक्ता खालिद जदरान ने बताया कि 'पुलिस डिस्ट्रिक्ट 4' की हजरत जकारिया मस्जिद में हुए विस्फोट के बारे में अभी और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। जदरान ने कहा, 'जब मस्जिद में विस्फोट हुआ, उस समय लोग शाम की नमाज के लिए एकत्र हुए थे।' इस बीच, बाल्ख प्रांत में तालिबान के प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजीरी ने बताया कि मजार-ए-शरीफ शहर में तीन मिनीवैन को निशाना बनाया गया और उनमें विस्फोटक उपकरण रखे गए। उन्होंने बताया कि विस्फोटों में नौ लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि मजार-ए-शरीफ में हताहत हुए सभी लोग देश में अल्पसंख्यक शिया मुस्लिम समुदाय के हैं।

नेपाल में अमेरिका अधिकारियों के तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर भड़का चीन

काठमांडू । नेपाल की शेर बहादुर देउबा सरकार और अमेरिका के बीच बढ़ती दोस्ती और बाइडन प्रशासन के अधिकारियों के काठमांडू में तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर चीन भड़क उठा है। चीन ने अप्रत्यक्ष रूप से नेपाल सरकार से साफ कह दिया है कि आंतरिक या बाहरी किसी भी कारण से 'एक चीन नीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। माना जा रहा है, कि अमेरिकी अधिकारियों के लगातार हो रहे नेपाल दौरे से चीन टेंशन में आ गया है। चीन को तिब्बती शरणार्थियों का डर सताने लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल चीन द्विपक्षीय सलाह तंत्र की 14वीं बैठक में चीनी पक्ष ने नेपाल के दो शिविरों में अमेरिकी अधिकारियों के तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात पर आपत्ति जाहिर की है। इससे पहले अमेरिका की उप विदेश मंत्री उजरा जेया ने दो तिब्बती शिविरों का दौरा किया था। बैठक में शामिल अधिकारी ने कहा कि चीन का संदेश बहुत साफ था। बैठक में नेपाल के विदेश सचिव और चीनी विदेश उप मंत्री शामिल थे। इससे पहले अमेरिकी विदेश उप मंत्री और तिब्बती शरणार्थियों की समन्वयक उजरा जेया 20 मई को नेपाल के दौरे पर आई थीं। उन्होंने नेपाल की इच्छा के विपरीत जाकर तिब्बती शरणार्थियों से मुलाकात की। नेपाली विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उन्हें अमेरिकी मंत्री के शिविरों में दौरे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। नेपाल में करीब 15 हजार तिब्बती शरणार्थी रहते हैं। माना जाता है कि चीन के दबाव में इनमें से कई तिब्बतियों को अभी तक शरणार्थी कार्ड नहीं दिया गया है। इससे वे पढ़ाई जारी नहीं रख पाते हैं, बिजनस नहीं कर पाते और विदेश भी नहीं जा पाते हैं। चीन के आपत्ति जताने के बाद नेपाली पक्ष ने चीन को आश्वासन दिया कि वह एक चीन नीति को मानता है और अपनी जमीन का इस्तेमाल पड़ोसी देशों के खिलाफ नहीं होने देगा। अमेरिकी मंत्री ने नेपाल आने से पहले दलाई लामा और तिब?बत की निर्वासित सरकार के अन्य अधिकारियों से धर्मशाला में मुलाकात की थी। अमेरिकी विदेश उप मंत्री की यात्रा से ठीक पहले नेपाल में चीन की राजदूत हाओ यांकी ने नेपाल के गृहमंत्री बाल कृष्ण खंड से मुलाकात कर कहा था कि नेपाल को एक चीन नीति का सम्मान कर उस मानना चाहिए।

मानवाधिकार संरक्षण: भाषण देने की जरूरत नहीं : शी चिनफिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार के आरोपों को कोई तव्वजो न देते हुए बुधवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैश्लेट से कहा कि कोई भी मानवाधिकार संरक्षण में पूर्णता का दावा नहीं कर सकता है और भाषण देने की कोई जरूरत नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त बैश्लेट बीजिंग के साथ एक लंबी समझौता प्रक्रिया के बाद उइगर मुसलमानों के मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़े आरोपों की जांच करने सोमवार को गुआंग्झू पहुंचीं। चीन का आरोप है कि अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे कट्टरपंथी संगठनों से कथित तौर पर जुड़े पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईआईआईएम) ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, अफगानिस्तान और कई मध्य एशियाई देशों की सीमा से लगे मुस्लिम-बहुल शिनजियांग प्रांत में अलगाववादी विद्रोह को भड़काया है। लाखों उइगर मुसलमानों को शिविरों में रखने के कदम को चीन कौशल शिक्षा करार देता रहा है। चिनफिंग ने बुधवार को एक वीडियो लिंक के जरिए बैश्लेट के साथ अपनी बैठक में कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और चीन सरकार मानवाधिकारों की व्यापक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

टेक्सास में डोरा फ्लोर्स और उनका पोता फूलों को लेकर रॉब एलीमेंट्री स्कूल पहुंचे। यहां एक बंदूकधारी ने 19 बच्चों और दो शिक्षकों को गोली मारी थी।

नाटो संबंधी वार्ता के लिए तुर्की में हैं स्वीडन और फिनलैंड के प्रतिनिधि

अंकारा। स्वीडन और फिनलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को यहां अपने समकक्षों के साथ मुलाकात की, ताकि नाटो में शामिल होने के नॉर्डिक देशों के प्रयास पर तुर्की की आपत्तियों को दूर किया जा सके। नाटो में शामिल होने के लिए स्वीडन और फि नलैंड ने पिछले सप्ताह अपने लिखित आवेदन प्रस्तुत किए थे। तुर्की ने कहा है कि वह पश्चिमी सैन्य गठबंधन में उक्त दोनों देशों की सदस्यता का विरोध करता है, क्योंकि उसे स्वीडन से कुछ शिकायतें हैं, जबकि फिनलैंड कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पीकेके और उन अन्य संस्थाओं का समर्थक रहा है जिन्हें तुर्की अपने लिए सुरक्षा खतरे के रूप में देखता है। तुर्की के कई सहयोगियों द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया पीकेके तुर्की के खिलाफ दशकों से संघर्ष करता रहा है जिसमें हजारों लोगों की जान चली गई है। तुर्की सरकार ने फिनलैंड और स्वीडन पर अंकारा पर हथियार निर्यात प्रतिबंध लगाने और संदिग्ध 'आतंकवादियों' के प्रत्यर्पण से इनकार करने का भी आरोप लगाया है। स्वीडन और फि नलैंड के प्रतिनिधिमंडलों ने तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के प्रवक्ता इब्राहिम कालिन और तुर्की के उप विदेश मंत्री सेदात ओनल से मुलाकात की। तुर्की नाटो का सदस्य है, जिसने कहा है कि स्वीडन और फिनलैंड उसके हितों के विपरीत काम करते रहे हैं तथा वह नहीं चाहता कि ये दोनों देश उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल हों। किसी नए देश को सदस्य बनाने के लिए नाटो के सभी 30 देशों की सहमति आवश्यक है।

चुनाव की घोषणा के लिए इमरान खान ने पाकिस्तान सरकार को दिया 6 दिन का समय,

कहा- फिर इस्लामाबाद लौटूंगा

दावोस। (एजेंसी)

पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन के बाद हालात सुधरने की जगह और खराब होते हुए नजर आ रहे है। चुनाव की दोबारा मांग को लेकर इमरान खान अपने समर्थकों के साथ इस्लामाबाद पहुंचे जहां उन्होंने आजादी मार्च निकाला। इस आजादी मार्च को रोकने के लिए नवाज शरीफ की सरकार रेड जोन में बड़ी संख्या में सेना की तैनाती कर रही है। इमरान खान की इस आजादी मार्च के बाद से पाकिस्तान के बड़े शहरों की घेराबंदी की गई है। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी कि अगर छह दिनों के भीतर चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की जाती है, तो वह एक बार फिर इस्लामाबाद आएंगे। बुधवार को जैसे ही इमरान खान का आजादी मार्च शुरू हुआ, पंजाब, कराची और लाहौर में कई जगहों पर पार्टी कार्यकताओं और पुलिसवालों के बीच झड़प हो गई। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने ट्विटर पर शिकायत की कि लाहौर के पेट्रोल पंपों में ईंधन खत्म हो गया है और एटीएम में पैसे नहीं है। इस्लामाबाद में इमरान खान के प्रवेश करने से पहले शहर के रेड जोन की रक्षा के लिए सेना को बुलाया गया था। जानकारी के लिए बता दें कि इस्लामाबाद गुरुवार को युद्ध

का मैदान बन गया और इस प्रदर्शन में पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े।पाकिस्तान के जियो न्यूज ने दावा किया कि पीटीआई समर्थकों ने उसके कार्यालय पर हमला किया जिसमें कुछ पत्रकार घायल हो गए। इमरान खान इस्लामाबाद पहुंचे और मार्च को संबोधित किया, जहां उन्होंने कहा कि अगर वह धरना देते हैं तो सरकार खुश होगी क्योंकि इससे उनकी पार्टी और पुलिस के बीच और झड़पें होंगी। उन्होंने कहा, ₹मैंने तय किया था कि जब तक सरकार विधानसभाओं को भंग नहीं कर देती और चुनाव की घोषणा नहीं कर देती, तब तक मैं यहां बैठूंगा, लेकिन पिछले 24 घंटों में मैंने जो देखा है, वे (सरकार) देश को अराजकता की ओर ले जा रहे हैं।₹ पीटीआई अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि झड़पों में उनकी पार्टी के पांच प्रदर्शनकारी मारे गए।

दुनिया के समक्ष खाद्य संकट और अन्य चुनौतियां के हल का हिस्सा है व्यापार: डब्ल्यूटीओ प्रमुख

दावोस (एजेंसी)

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक एन. ओकोंजो इविला ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन में युद्ध, जलवायु संकट, कोविड-19 महामारी और खाद्य संकट सहित दुनिया आज जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उनके समाधान में व्यापार एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

दावोस के व्यापार परिणामों पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिस तरह के संकटों का सामना कर रही है वह बहुत ही असामान्य हैं।

उन्होंने कहा, 'इन सभी संकटों में एक बात समान है कि कोई भी अकेला देश इनमें से किसी एक का समाधान नहीं कर सकता।' डब्ल्यूटीओ प्रमुख ने कहा कि व्यापार को बढ़ावा देना अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस समय बहुत सारे नकारात्मक जोखिम हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार हमेशा समाधान का हिस्सा रहा है और आज दुनिया जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उनके लिए यह सच है। उन्होंने कहा कि खाद्य संकट को पारदर्शी और अस्थायी तरीके से संभालने के लिए निर्यात नियंत्रण हटाने की अच्छी संभावना है।

उन्होंने कहा कि कुछ देश ऐसे भी हो सकते हैं जिनके पास अतिरिक्त खाद्यान्न है और जमाखोरी ऐसी स्थिति में एक अच्छा विचार नहीं हो सकता। विश्व व्यापार संगठन प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि स्थिति से निकलने का कोई सुरक्षित गलियारा नहीं है तो खाद्य संकट थोड़ा लंबा हो सकता है और उस स्थिति में, वह विकासशील देशों से अपना उत्पादन बढ़ाने का आग्रह करेंगी। सम्मेलन में, विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने व्यापार को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया अर्थव्यवस्था के धीमी गति से पटरी पर लौटने की स्थिति का सामना कर रही है।

सेना को मजबूत कर यूक्रेन पर पकड़ बनाने के लिए रूस ने उठाए कदम

कीव (एजेंसी)

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दक्षिणी यूक्रेन के कुछ हिस्सों में निवासियों के लिए रूसी नागरिकता को तेजी से अमल में लाने के लिए आदेश जारी किया, जबकि मॉस्को में सांसदों ने विस्तारित रूसी सेना को मजबूत करने के लिए एक विधेयक पारित किया। खेरसॉन और जापोरिजिया क्षेत्र पर लागू होने वाले पुतिन के आदेश के बाद रूस की पूर्वी यूक्रेन के बीच स्थित क्षेत्र पर पकड़ मजबूत हो सकती है, जहां मास्को समर्थित अलगाववादियों ने क्रीमिया प्रायद्वीप सहित कुछ क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है।

रूसी सेना डोनबास के लिए व्यापक युद्ध लड़ रही है। क्रेमलिन के अपनी सैन्य मशीनरी को मजबूत करने की कोशिश के संकेत के तौर पर, रूसी सांसदों ने स्वैच्छिक सैन्य अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 साल की आयु सीमा को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की। रूसी संसद की रक्षा समिति के अध्यक्ष आंद्रेई कार्तपोलोव ने कहा कि इस उपाय से 'इन-डिमांड' कौशल वाले लोगों को काम पर रखना आसान होगा। रुसी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन में केवल स्वयंसेवक अनुबंध सैनिकों को लड़ने के लिए भेजा जाता है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि युद्ध के शुरूआती चरणों में गलती से कुछ सैनिकों को लड़ाई में शामिल किया गया था। क्रेमलिन ने कहा कि पड़ोसी देश पर रूस के आक्रमण के तीन महीने बाद पुतिन ने मॉस्को में एक सैन्य अस्पताल में यूक्रेन में घायल हुए कुछ सैनिकों से मुलाकात की।

उत्तर कोरिया के नापाक इरादों के खिलाफ अमेरिका-जापान ने दिखाई एकजुटता, आसमान में गरजे फाइटर जेट

टोक्यो। (एजेंसी)

उत्तर कोरिया के नापाक इरादों के खिलाफ अमेरिका और जापान ने संयुक्त रूप से अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की। आपको बता दें कि अमेरिकी सेना और जापान के सेल्फ डिफेंस फोर्स ने गुरुवार उत्तर कोरिया के ताजा मिसाइल परीक्षण के बाद एक साथ फाइटर जेट उड़ाए। फाइटर जेट्स ने जापान सागर के ऊपर से उड़ान भरी जिसमें उत्तर कोरिया ने बुधवार को तीन मिसाइलें दागी थीं।

मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने बताया कि अभ्यास क्षेत्रीय खतरों को रोकने और संयुक्त क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए किया गया। वहीं रॉयटर्स ने दो अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका और जापान अपना संयुक्त संकल्प दिखाना चाहते थे।

तीन मिसाइलों का किया परीक्षण

उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी एशिया में

ताजा तनाव उस वक्त पैदा कर दिया जब क्वाड नेताओं की बैठक की बैठक संपन्न हो चुकी थी और अमेरिकी राष्ट्रपति टोक्यों से उड़ान भर चुके थे। उसी बीच उत्तर कोरिया ने तीन मिसाइलों का परीक्षण किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी यात्रा के दौरान इस बात की पुनः पुष्टि की है कि अमेरिका उत्तर कोरिया के खतरे के मद्देनजर अपने सहयोगियों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आपको बता दें कि उत्तर कोरिया ने एक संदिग्ध इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) और दो कम दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था।

दक्षिण कोरिया के उपराष्ट्रीय सलाहकार किम तेई-हेओ ने बताया था कि पहली मिसाइल का आंकलन किया गया था जो उत्तर कोरिया की सबसे बड़ी ह्वासोंग-17 मिसाइल है और इसकी संभावित क्षमता में संपूर्ण अमेरिकी मुख्य भूमि आती है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने बयान में कहा कि इसके जवाब में अपनी क्षमता दिखाने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेना ने सतह से सतह पर मार करने वाली दो मिसाइलें दागीं।

वहीं जापान ने उत्तर कोरिया के जापान के मिसाइल परीक्षण को उकसावे वाली कार्रवाई करार दिया था। रक्षा मंत्री नोबौ किशी ने कहा था कि यह परीक्षण उकसाने की कार्रवाई है। उन्होंने उत्तर कोरिया पर लोगों की परेशानियों को नजरअंदाज करके हथियार कार्यक्रम पर आगे बढ़ने का आरोप लगाया था।

ब्रिटेन: पाटीर्गेट जांच रिपोर्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय की कार्य संस्कृति पर सवाल

लंदन (एजेंसी)

ब्रिटेन में लॉकडाउन के दौरान नियमों के उल्लंघन संबंधी जांच रिपोर्ट में शीर्ष पर बैठे लोगों समेत प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के कार्यालय में नियमों के उल्लंघन की संस्कृति को दोषी ठहराया गया है। वहीं, रिपोर्ट जारी होने के बाद विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संसद में अपना बयान दिया।

उन्होंने कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान हुई सरकारी पार्टियों की जांच रिपोर्ट का जवाब देते हुए कहा कि वह 'हर चीज की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं।' उन्होंने कहा कि 2020-21 में नियमों का उल्लंघन सामने आने के बाद से डाउनिंग स्ट्रीट में प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों को बदल दिया गया है। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया है कि नियम तोड़ने का दोष सरकार के शीर्ष नेतृत्व पर है। जॉनसन ने फिर जोर देकर कहा कि उन्होंने जानबूझकर कोई नियम नहीं तोड़ा।

उन्होंने विरोधियों की इस्तीफे की मांग को नजरअंदाज कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह 'विनयपूर्ण' थे और उन्होंने 'एक सबक सीखा' था लेकिन अब यह 'आगे बढ़ने' और सरकार की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। इस बीच, विपक्ष ने एक बार फिर इस मामले में जॉनसन पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग उठायी।

लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारमर ने कहा कि ग्रे की रिपोर्ट सामने आने के बाद सरकार के पास इस सदन में प्रधानमंत्री के शब्दों का बचाव करना असंभव हो गया है। विपक्ष के नेता ने कहा, यह भरोसे से जुड़ी बात है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी सू ग्रे की यह बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट बुधवार को जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया, ऐसी संस्कृति के लिए वरिष्ठ नेतृत्वकारी दल... कोजिम्मेदारी लेनी चाहिए जिसने कार्यक्रमों को होने दिया, जिनका आयोजन नहीं होना चाहिए था।

ग्रे ने प्रधानमंत्री जॉनसन के कार्यालय का हवाला देते हुए कहा कि नंबर-10 नेतृत्व करने और फैसले लेने के मामले में विफल रहा। उन्होंने जॉनसन सरकार द्वारा कोरोना वायरस की रोकथाम के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के दौरान सामाजिक दूरी बनाये रखने समेत अन्य नियमों के उल्लंघन के संबंध में 16 कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर जांच की।

रिपोर्ट के निष्कर्षों में ग्रे ने कहा कि वह डाउनिंग स्ट्रीट में हुई पार्टियों के लिए नेतृत्व की विफलता के अपने दावे पर बरकरार हैं। मंत्रिमंडल कार्यालय में द्वितीय स्थायी सचिव ग्रे ने कहा, मंशा जो रही भी हो, लेकिन इन अधिकतर पार्टियों के दौरान जो हुआ और जिस तरह हुआ, वो उस समय के कोविड दिशा-निर्देशों के अनुरुप नहीं था। ग्रे ने इस बात का भी जिक्र किया कि इस मामले में जारी पुलिस जांच दशार्ती है कि कई लोग इसमें शामिल थे। वहीं, एक अन्य पुलिस जांच में जॉनसन समेत 83 लोगों पर जुमार्ना लगाया गया है।

पाटीर्गेट का मामला सामने आने के बाद जॉनसन पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ रहा था। उन्होंने इसके लिए खेद जताया लेकिन निजी स्तर पर कुछ भी गलत करने से इनकार किया था। ग्रे की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अभियान हिलमैन के अंतर्गत जांच शुरू की थी।

पिछले सप्ताह पूरी हुई इस जांच के आधार पर 83 लोगों पर जुमार्ना लगाया जा रहा है, जिनमें प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, उनकी पत्नी कैरी जॉनसन और ब्रिटिश मंत्री ऋषि सुनक का नाम शामिल है। गौरतलब है कि इन सभी पर कोरोना वायरस की रोकथाम के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन कर सरकारी कार्यालयों में पार्टी करने का आरोप है। इस मामले को पाटीर्गेट करार दिया गया है।

सार समाचार

यासीन मलिक को सजा के बाद फेंके थे पत्थर अब थाने में कान पकड़ मांग रहे माफी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता और आतंकवादी रहे यासीन मलिक को सजा का ऐलान होने के बाद कुछ युवाओं ने श्रीनगर में पत्थरबाजी की थी। इनमें से 10 लोगों को पुलिस ने अब तक गिरफ्तार कर लिया है। यही नहीं कल तक पत्थर फेंक रहे ये लोग अब थाने में कान पकड़कर अपनी हरकतों के लिए माफी मांगते नजर आ रहे हैं। श्रीनगर पुलिस ने बताया कि देश विरोधी नारेबाजी और यासीन मलिक के घर के बाहर पत्थराबाजी करने के आरोप में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि मलिक को दिल्ली में सजा सुनाए जाने के बाद उसके इलाके माइसुमा में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। हालांकि अन्य इलाकों में हालात शांतिपूर्ण बने रहे। पुलिस ने कहा कि अभी कुछ लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता है। श्रीनगर पुलिस ने कहा, 'अन्य आरोपियों की भी पहचान की जा रही है और जल्दी ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। आईपीसी की धाराओं और यूएपीए के तहत केस दर्ज कर लिया है। इसके अलावा इस हिंसा को भड़काने वाले प्रमुख आरोपियों के खिलाफ जन सुरक्षा कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा।' बता दें कि यासीन मलिक को सजा के ऐलान के तुरंत बाद श्रीनगर में स्थित उनके घर के बाहर पत्थरबाजी हुई थी। लेकिन पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की थी और उपद्रवी तत्वों को खदेड़ दिया था। यही नहीं यासीन मलिक की पत्नी ने भी सजा पर सवाल उठाते हुए अपने पति को बहादुर शख्स करार दिया था और पीएम नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर से की थी। गौरतलब है कि हिंसा भड़कने के बाद प्रशासन ने कुछ इलाकों में बुधवार शाम को इंटरनेट बंद कर दिया था और सख्ती बढ़ा दी थी। यासीन मलिक की सजा पर पाकिस्तान भी बौखलाया हुआ है। पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने यासीन की सजा को लोकतंत्र के लिए काला दिन बताया था। इसके अलावा क्रिकेटर शाहीद आफरीदी समेत पाकिस्तान की कई और हस्तियों ने आतंकी यासीन मलिक की सजा पर रोना रोया है। यही नहीं शाहिद आफरीदी ने तो इस मुद्दे को यूएन में भी ले जाने की अपील की थी।

सांसद नवनीत राणा को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई । महाराष्ट्र में हनुमान चालीसा विवाद को लेकर चर्चा में आईं निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की है और मामले की जांच शुरू हो चुकी है। बताया गया है कि नवनीत राणा को फोन पर ऐसी धमकियां मिलीं, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस में की। सांसद की तरफ से दावा किया गया है कि उन्हें हनुमान चालीसा पढ़ने को लेकर ये धमकियां मिली हैं, जिनमें जान से मारने की बात कही गई है। दिल्ली पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में नवनीत राणा ने कहा है कि, उन्हें फोन पर ऐसी धमकियां मिली हैं। जिनमें कहा गया है कि आपको महाराष्ट्र नहीं आने दिया जाएगा। साथ ही ये भी कहा गया कि, हनुमान चालीसा का पाठ करोगे तो जान से मार देंगे। ये मामला दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू थाने में दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस धमकी देने वाले की तलाश में जुट गई है। नवनीत राणा पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वो तब चर्चा में आईं जब उन्होंने सीएम उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की चुनौती दी थी। इसके बाद शिवसेना कार्यकताओं ने उनके खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। मामला काफी ज्यादा बढ़ गया तो नवनीत राणा घर से बाहर नहीं निकलीं, लेकिन इसके बाद मुंबई पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सांसद और उनके पति रवि राणा को करीब 11 दिनों तक जेल में रहना पड़ा, जिसके बाद दोनों को कई शर्तों पर जमानत मिली। लेकिन जमानत मिलने के बाद सांसद ने लगातार उद्धव ठाकरे पर हमला जारी रखा।

श्रीनगर फ्लावर शो में फूलों से बने उत्पाद देखकर मंत्रमुग्ध हो गये पर्यटक

श्रीनगर। कश्मीर में पर्यटकों को आकर्षित करने और उन्हें यहां की कला और संस्कृति से रूबरू कराने के लिए तमाम आयोजन होते रहते हैं। इन आयोजनों का यह उद्देश्य भी होता है कि कश्मीरी युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हों और उनके उत्पाद देश-दुनिया तक पहुँचें। इसी कड़ी में कश्मीर के बागवानी विभाग द्वारा दो दिवसीय फ्लावर शो का आयोजन श्रीनगर में किया गया। श्रीनगर के सुरम्य बॉटेनिकल गॉर्डन में आयोजित किये गये इस फ्लावर शो में तमाम तरह के फूल देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो गये। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कोने-कोने से लोग इस फ्लावर शो में अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। तकनीक का उपयोग कर फूलों से बनाये गये उत्पाद देखकर आप भी आश्चर्यचकित हो जायेंगे। देखा जाये तो बागवानी विभाग इस आयोजन के जरिये कश्मीर के विभिन्न किस्मों के फूलों को तो प्रदर्शित करवा ही रहा है साथ ही सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले फूलों का उत्पादन करने वाले किसानों के बीच एक स्पर्धा का माहौल भी बना रहा है। कश्मीर में हाल के वर्षों में फूलों की खेती से बड़ी संख्या में युवा जुड़े हैं और इसके जरिये उन्हें अच्छी आमदनी भी हो रही है। हम आपको बता दें कि कश्मीर के फूल और फूलों से बने उत्पादों की सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी खूब मांग है। प्रभासाक्षी संवाददाता ने फ्लावर शो के आयोजकों, प्रतिभागियों और यहां आनंद ले रहे पर्यटकों से बातचीत की तो सभी ने कहा कि ऐसे आयोजनों की संख्या बढ़ायी जानी चाहिए।

ममता सरकार का बड़ा फैसला, राज्य के विश्वविद्यालयों में अब राज्यपाल की जगह सीएम होंगी चांसलर

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ का विवाद किसी से छुपा नहीं है। अब ममता सरकार की तरफ से एक बड़ा फैसला लिया गया है। बंगाल में विश्वविद्यालय की चांसलर अब मुख्यमंत्री होंगी। बता दें कि अभी तक सूबे के राज्यपाल ही विश्वविद्यालय के चांसलर होते हैं। बंगाल कैबिनेट की तरफ से ये बड़ा फैसला लिया गया है। इसके लिए राज्य सरकार की तरफ से कानून में बदलाव किया जाएगा। ममता सरकार के इस कदम के बाद राजभवन और राज्य सरकार के बीच तल्खी और बढ़ने का अनुमान जताया जा रहा है। पिछले एक साल से इसको लेकर बातचीत चल रही थी। राज्य सरकार पहले भी कह चुकी है कि जिस तरह से बार-बार राजभवन और

वाइस चासंलर पश्चिम बंगाल के जितने भी यूनिवर्सिटी हैं उनके वीसी के अप्वाइंटमेंट में दिक्कत हो रही है। ममता सरकार का कहना था कि बार-बार राज्यपाल के पास भेजे जाने के बाद भी अप्रूवल नहीं मिल रहा था। पश्चिम बंगाल सरकार का बड़ा आरोप ये था कि इसमें राजनीतिक दखलअंदाजी हो रही है। इससे संबंधित बिल को बदलने की बात की जा रही थी। आज कैबिनेट की तरफ से इस पर मुहर लग गई। एक नया बिल लाया जाएगा जिसके अंतर्गत पश्चिम बंगाल में जितने भी सरकारी विश्वविद्यालय हैं वहां पर मुख्यमंत्री ही चांसलर होंगी। ताकी वाइस चासंलर और जितने भी ऑफिसिलयल अप्वाइंटमेंट में कोई दिक्कत न आए। कुल मिलाकर कहा जाए तो राजभवन और राज्य सरकार में तनावपूर्ण संबंधों के मद्देनजर ही कैबिनेट की तरफ से इतना बड़ा निर्णय लिया गया है।

चुनाव आयोग हुआ सख्त, 2 हजार से अधिक पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)

चुनाव व्यवस्था के हिमायती चुनाव आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए देश में 2,100 ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं जिन्हें पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपीएस) की सूची में डाला गया है। अब इन दलों पर कड़ी कर्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। इनमें से तीन चौथाई से ज्यादा दलों ने योगदान रिपोर्ट, वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट और चुनाव में हुए खर्च से जुड़ी रिपोर्ट, पता बदलने की जानकारी संबंधी संवैधानिक जरूरतों का पालन नहीं किया है। एक तरह से इन दलों ने किसी भी तरह की रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि ऐसी गैरमान्यता प्राप्त पार्टियों के खिलाफ जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 29 के तहत ग्रेडिंग की कार्रवाई शुरू की गई है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि 2001 में इन पार्टियों की संख्या 694 थी, जो 2021 में बढ़कर 2100 तक पहुंच गई। हालांकि 2019 के चुनाव में महज 623 पार्टियों ने ही हिस्सा लिया था। अब इन

पार्टियों को अपंजीकृत करने के लिए सरकार के फैसले का इंतजार है। चुनाव आयोग ने जारी किए गए अपने निदेशों में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के पदभार ग्रहण करने के कुछ दिनों के अंदर ही ऐसी 87 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद जांच में नाम और पता सत्यापित नहीं किया जा सका। अब उन्हें गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। ऐसे दल जिनके नाम सूची में हैं, वे 30 दिनों के अंदर संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास मौजूदा और वर्षवार योगदान की रिपोर्ट, ऑडिट अकाउंट के साथ बैंक लेनदेन की अधिकृत हस्ताक्षर की कॉपी के साक्ष्य जमा कर सकते हैं।

ऐसी पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की अलग-अलग सूची सीईओ के साथ साथ (सीबीडीटी) को भी भेजी जाएगी। चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे ने अपने आदेश में कहा कि अगर कोई भी दल अपने वैधानिक दायित्वों को पूरा करने में विफल पाया जाता है तो परिणामस्वरूप 1968 के प्रतीक आदेश के तहत तमाम लाभों से वंचित करते हुए भविष्य में आम चुनाव चिह्न जारी नहीं किया जाएगा। तीन ऐसी पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियां सामने आई हैं जिन पर प्रथम दृष्टया गंभीर आर्थिक अनियमितता जैसे फर्जी दान रसीद बनाना, फर्जी कंपनी का गठन, टैक्स में हेराफेरी जैसे मामले पाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि वह आवश्यक कानूनी और आपराधिक कार्रवाई के लिए राजस्व विभाग के पास इसे भेजेगा।

मोदी सरकार के 8 साल पर बोली कांग्रेस, जनता से छल किया, अच्छे दिनों की फ्लॉप फिल्म उतर चुकी है

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जनता के साथ छल करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब अच्छे दिनों की फ्लॉप फिल्म उतर चुकी है। कांग्रेस ने मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने के मौके पर आठ साल, आठ छल, भाजपा सरकार विफल शीर्षक वाली एक पुस्तिका भी जारी की। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, नारा दिया गया था कि अच्छे दिन आने वाले हैं। लेकिन मोदी आये तो महंगे दिन लाये। किसानों की आमदनी भी नहीं हुई दोगुना, बल्कि उन्हें दर्द मिला सौ गुना। उन्होंने दावा किया, मोदी आये तो मंदी के दिन लेकर आए। अब अच्छे दिनों की फ्लॉप फिल्म उतर चुकी है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं पर से ध्यान भटकाने के लिए अब छल, कपट, झूठ और नफरत का सहारा ले रही है। कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने महंगाई का उल्लेख करते हुए कहा कि अच्छे दिनों का वादा करने वाली सरकार के कार्यकाल में रसोई गैस सिलेंडर 1000 रुपये से अधिक और सरसों का तेल 200 रुपये से अधिक कीमत पर मिल रहा है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 8 साल में लगातार मजबूत हुई है भाजपा, बने है कई रिकॉर्ड

पीएम बनाते ही मोदी ने बनाए कई सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)

नरेंद्र मोदी 26 मई, 2014 को पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। वैसे प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने कई रिकॉर्ड बना दिए थे, लेकिन पिछले 8 वर्षो से रिकॉर्ड बनाने का उनका सफर जारी है। 2014 में सत्ता की बागडोर संभालने वाले पीएम मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री थे, जिनका जन्म आजाद भारत में हुआ था। 1984 के लोकसभा चुनाव के 30 वर्षो के बाद 2014 में कोई पार्टी (भाजपा) अपने दम पर बहुमत हासिल कर सरकार बनाने जा रही थी। उस चुनाव में भाजपा को अकेले 282 सीटों पर जीत हासिल हुई थी और मोदी ने एनडीए के प्रधानमंत्री के तौर पर 26 मई 2014 को देश की बागडोर संभाली थी। 2019 में लगातार दूसरी बार पहले से भी ज्यादा 303 लोकसभा सीटों पर अकेले जीत दर्ज प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता की बागडोर संभाल कर मोदी ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के बाद वहां देश के पहले प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने लगातार दूसरी बार बहुमत के साथ सरकार बनाई थी।

2014 के आम चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा एक के बाद एक राज्य दर राज्य चुनाव जीतती रही और नए-नए रिकॉर्ड बनाती रही। 18 करोड़ प्राथमिक सदस्यों के साथ आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

2014 में नरेंद्र मोदी जब देश के प्रधानमंत्री बने थे उस समय देश के सिर्फ सात राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकार थी। 5 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री थे, वहीं 2 राज्य बिहार और पंजाब में सहयोगी दल के नेता सरकार के मुखिया थे। इसके बाद भाजपा की जीत का सफर शुरू हुआ और 2018 में भाजपा अब तक के पीक पर पहुंच गई, जब देश के 21 राज्यों में भाजपा और उनके सहयोगी दलों की सरकार थी।

आगे कुछ राज्यों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा लेकिन वर्तमान में भी भाजपा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की तुलना में काफी आगे है और सबसे बड़ी बात है कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, बेहतर रणनीति , संगठन और बूथ स्तर तक चुनावी रणनीति बनाकर भाजपा भविष्य में भी लगातार चुनाव जीतते रहने की रणनीति बना रही है।

हाल ही में जयपुर में आयोजित पार्टी पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा की विकास यात्रा के साथ-साथ भविष्य की योजना बताते हुए कहा था, देश के 18 राज्यों में भाजपा सरकार है। भाजपा के 1300 से अधिक विधायक और 400 से अधिक सांसद हैं। इन सभी सफलताओं को देखकर कोई यह सोच सकता है कि अब काफी हो गया लेकिन भाजपा कार्यकर्ता होने के नाते हमें चैन से बैठने का कोई हक नहीं है, कोई अधिकार नहीं है।' प्रधानमंत्री मोदी ने अगले 25 वर्षों का लक्ष्य निर्धारत कर भाजपा के तमाम कार्यकताओं और नेताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश के सभी वर्गों के लोगों तक पहुंचे।

उद्धव सरकार का एक और मंत्री ईडी की रडार पर, सोमैया बोले- जेल जाने की तैयार करें

मुंबई (एजेंसी)

महाराष्ट्र की उद्धव सरकार का एक और मंत्री अब ईडी की रडार पर है। ईडी ने गुरुवार सुबह परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता अनिल परब और अन्य के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की जांच के तहत महाराष्ट्र राज्य में कई स्थानों की तलाशी ली। ईडी ने मुंबई, पुणे और रत्नागिरी में परब से जुड़े सात परिसरों की तलाशी ली। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा कि परब को धनशोधन मामले में अपनी संलिप्तता को को लेकर सलाखों के पीछे जाने की तैयारी करनी चाहिए। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक और राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को इससे पहले मनी लॉन्ड्रिंग के अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था। अब ईडी ने रत्नागिरि जिले के तटीय दापोली इलाके में भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं और अन्य आरोपों को लेकर परब एवं अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत राज्य में कई स्थानों पर छापे मारे। ईडी ने धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत एक ताजा मामला दर्ज किया है, जिसके बाद दापोली, मुंबई और पुणे में कई स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं। इस जमीन पर 2017 से 2020 तक एक रिजॉर्ट बनाया गया। आयकर विभाग ने कदम और उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) बजरंग खरमाटे जैसे, परब के कुछ करीबी लोगों के खिलाफ मार्च में छापे मारे थे, जिसके बाद उसने मंत्री पर ये आरोप लगाए थे। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मार्च में जारी एक बयान में कहा था कि रिजॉर्ट का निर्माण 2017 में शुरू हुआ था और इसके निर्माण में छह करोड़ रुपए नकद खर्च किए गए थे। भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने कहा कि महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री अनिल परब के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत प्रदर्शन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के मद्देनजर उन्हें जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। पूर्व भाजपा सांसद ने कहा कि वह पिछले कुछ वर्षों से लगातार विभिन्न मुद्दों को उठा रहे हैं और परब के खिलाफ जांच की मांग कर रहे हैं। सौमैया ने आरोप लगाया है कि रिसॉर्ट का निर्माण तटीय नियामक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाके में अवैध रूप से किया गया और बताया जाता है कि इस पर परब का अप्रत्यक्ष स्वामित्व है।

मैंगलोर में हिजाब नियम लागू करने छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के विरुद्ध किया प्रदर्शन

मैंगलोर (एजेंसी)

कर्नाटक में पैदा हुए हिजाब की आंच से पूरा देश झुलस रहा है और यह मसला खत्म होने के बजाए लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। गुरुवार को मैंगलोर में छात्रों ने एक कॉलेज में विरोध प्रदर्शन किया। वे चाहते हैं कि कॉलेज में हिजाब का नियम लागू हो। यानी हिजाब पहनने वाले स्टूडेंट्स को कॉलेज में एंट्री न दी जाए। बता दें कि इस साल फरवरी में कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल कॉलेज में हिजाब पहन कर जाने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को हरी झंडी दे दी थी। कोर्ट ने कहा था कि हिजाब इस्लाम धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्री-यूनिवर्सिटी शिक्षा विभाग ने इस साल के शैक्षणिक सत्र से प्री-यूनिवर्सिटी (पीयू) छात्रों के लिए महाविद्यालय विकास समिति द्वारा निर्धारित ड्रेस को अनिवार्य कर दिया। लेकिन इसके बावजूद कई कॉलेजों में इसे सख्ती से लागू नहीं किया गया है। छात्रों का आरोप है कि अभी भी छात्राएं हिजाब पहन कर क्लास में आती हैं। पिछले महीने उडुपी जिले में प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में हिजाब पर लगे बैन को हाईकोर्ट में चुनौती देने वाली दोनों छात्राओं ने परीक्षा नहीं दी थी। इन दोनों छात्राओं को हिजाब पहनकर परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई थी। जिसके बाद दोनों अपने-अपने घर लौट गई । कॉलेज के अधिकारियों ने उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए उन्हें एग्जाम हॉल में एंट्री देने से इनकार कर दिया था।

सड़कों का खराब हाल देख हरीश रावत को आया गुस्सा, चिलचिलाती धूप में बीच सड़क पर धरने पर बैठे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। इन सब के बीच आज हरीश रावत कहीं जा रहे थे। तभी उन्हें हाईवे पर गड्ढे और रोड की बदहाल सूरत देखने को मिली। इस वजह से हरीश रावत काफी नाराज हो गए। इसके बाद चिलचिलाती धूप में ही हरीश रावत बीच सड़क पर अकेले ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने खुद ही इस बात की जानकारी ट्विटर पर दी। उन्होंने तो यह तक कह दिया कि आज पूरा दिन वह चिलचिलाती धूप में सड़क पर ही बैठेंगे। खराब सड़क की वजह से आम लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े, इसलिए वह पहले भी धरना दे चुके हैं। हाईवे की मरम्मत की मांग को लेकर हरीश रावत फिलहाल धरना पर बैठे हैं।

हरीश रावत जिस जगह पर धरने पर बैठे हैं, वह लाल कुआ के पास आता है। जैसे ही हरीश रावत बरेली रोड पर पहुंचे, वहां सड़कों का हाल बेहाल देखा। उन्होंने अपनी गाड़ी रुकवा दी और धरने पर बैठ गए। हरीश रावत लगातार नेशनल हाईवे अथॉरिटी से इस सड़क की मरम्मत की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने अपने वीडियो में यह भी कहा है कि इस सड़क पर पहले काम हुआ था। हालांकि उसके बाद इसे रोक दिया गया है। हरीश रावत जिस स्थान पर बैठे हैं, वहां एक बड़ा सा गड्ढा भी दिखाई दे रहा है। आपको बता दें कि हरीश रावत फिलहाल चंपावत में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं। चंपावत से खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव लड़ रहे हैं।

निर्मला गहतोड़ी मुख्यमंत्री को देंगी कड़ी टक्करः हरीश रावत

उत्तराखंड में चंपावत विधानसभा सीट पर 31 मई को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार के आखिरी चरण में कांग्रेस महासचिव हरीश रावत ने कहा कि पार्टी प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कड़ी टक्कर देंगी। इस सीट पर होने वाले उपचुनाव में मुख्यमंत्री धामी और कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी के बीच मुख्य मुकाबला है। पिछले कई दिनों से चंपावत में डेरा डाले रावत ने चंपावत बाजार, टनकपुर, बनबसा, अमोड़ी,सूखीढांग तथा अन्य जगहों पर कार्यकताओं में जोश भरने और पुराने नेताओं को फिर सक्रिय करने के अलावा लोगों से जनसभाओं, जनसंपर्क और पदयात्राओं के जरिए गहतोड़ी को वोट देने और कांग्रेस को मजबूत करने का आग्रह करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

5 घंटे की ड्यूटी रोजाना, 90 रुपये मेहनताना, क्रिकेटर, राजनेता के बाद सीएम इन वेटिंग सिद्धू बने जेल के मुंशी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

1988 के रोड रेज मामले में दोषी पाए गए पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पटियाला सेंट्रल जेल में क्लर्क के तौर पर काम करेंगे। सिद्धू को तीन महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें सिखाया जाएगा कि अदालत के लंबे फैसलों को कैसे संक्षिप्त किया जाए और जेल रिकॉर्ड कैसे संकलित किया जाए। जेल नियमावली के अनुसार सिद्धू को पहले 90 दिनों तक भुगतान नहीं किया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, वह 40 रुपये से 90 रुपये प्रति दिन के बीच मजदूरी पाने का हकदार होंगे। उनका वेतन उनके कौशल के आधार पर तय किया जाएगा और कमाई उनके बैंक खाते में जमा की जाएगी।

जेल के एक अधिकारी के मुताबिक नवजोत सिद्धू बैरक से ही काम करेंगे क्योंकि वह एक हाई-प्रोफाइल कैदी है। जेल की फाइलें उसे बैरक में भेजी जाएंगी क्योंकि उन्हें अपने सेल से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। जेल अधिकारियों के मुताबिक सिद्धू ने मंगलवार को क्लर्क के तौर पर काम करना शुरू किया था। वह दो शिफ्टों में काम करेंगे- सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे और फिर लंच के बाद दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक। इस बीच, सिद्धू को जिस बैरक में रखा गया है, उसके अंदर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पांच वार्डन और चार जेल कैदियों को भी सिद्धू पर नजर रखने को कहा गया है।

क्रिकेटर से नेता बने इस क्रिकेटर को 19 मई को 1988 के रोड रेज मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। उसने 20 मई को पटियाला की निचली अदालत में आत्मसमर्पण किया था। इस बीच, एक मेडिकल बोर्ड ने नवजोत सिंह सिद्धू के लिए डाइट चार्ट बनाया, जो मोटापे और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से पीड़ित थे। डाइट चार्ट अभी जेल तक नहीं पहुंचा है। सिद्धू सलाद और फलों के आहार को ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने गेहूं से एलर्जी होने की बात कहकर दाल रोटी खाने से मना कर दिया था।

लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी कुपवाड़ा मुठभेड़ में ढेर

श्रीनगर । कश्मीर में आतंकवाद को भड़काने के लिए पाकिस्तान बार-बार प्रयास करता है, लेकिन उस हर बार भारतीय सुरक्षाबलों के आगे मुंह की खानी पड़ती है। ऐसा ही एक प्रयास गुरुवार को भी किया गया। जिला कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा से सटे गांव जुमागुंड से पाकिस्तान से घुसपैठ कर आए लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादियों को सेना ने मुठभेड़ के दौरान ढेर किया। कश्मीर में दो दिनों में हुई मुठभेड़ों में तीन पाकिस्तानी आतंकी सहित छह आतंकी मारे जा चुके हैं। बारामुला मुठभेड़ में मारे गए तीनों पाकिस्तानी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से संबंधित थे। इस मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक जवान भी बलिदान हुआ था। मारे गए आतंकवादियों की फिलहाल पहचान नहीं हुई है, परंतु मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार-गोलाबारूद व आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। आइजी कश्मीर विजय कुमार ने तीनों आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि घुसपैठ के तुरंत बाद इन आतंकियों का मारा जाना बड़ी सफलता है। उन्होंने सेना व पुलिस को इसके लिए बधाई भी दी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि ये आतंकी रात को नियंत्रण रेखा से सटे जुमागुंड गांव से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर आए थे। गांव के कुछ लोगों ने जब गांव के बाहर संदिग्ध गतिविधि देखी तब उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने भी बिना समय गवाएं सेना के जवानों के साथ आतंकवादियों की तलाश शुरू की एक जगह आतंकवादियों व सुरक्षाबलों का आमने सामने मुकाबला शुरू हो गया। दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को हथियार डालने के लिए कहा परंतु उन्होंने गोलीबारी का सिलसिला जारी रखा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

ऑनलाइन गेम खेलने के लिए कातिल बना किशोर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेड़ा,गुजरात के खेड़ा में एक ऑनलाइन गेम खेलने के लिए

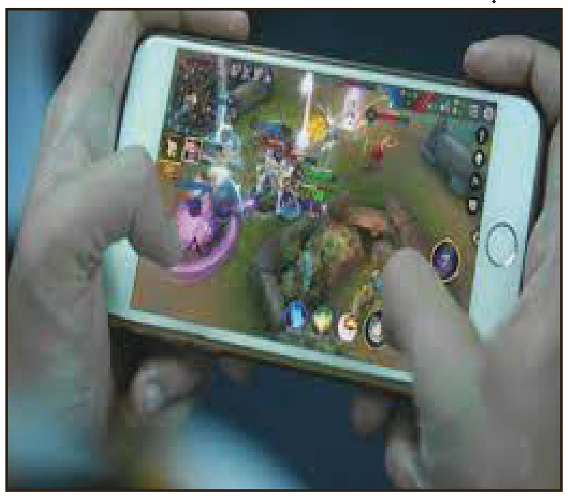

एक भाई ने दूसरे की जान ले ली। दरअसल, मोबाइल फोन को लेकर दो सगे भाईयों में लड़ाई हो गई। जानकारी के अनुसार, 16 साल के एक भाई ने अपने छोटे भाई की पत्थरों से कुचलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को कुंए में फेंक दिया। खेड़ा शहर पुलिस के उप निरीक्षक एस पी प्रजापति ने बताया कि घटना सोमवार को गोबलेज गांव में हुई और नाबालिग आरोपी को बुधवार को हिरासत में ले लिया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, परिवार राजस्थान के बांसवाड़ा जिले का रहने वाला है और मजदूर का काम करने के लिए खेड़ा गांव में आया था। प्रजापति ने कहा कि 23 मई को दोनों भाई बारी-बारी से मोबाइल फोन पर गेम खेल रहे थे।

इस बीच आरोपी ने अपने 11 वर्षीय छोटे भाई के साथ लड़ाई की। जिसने खेलने की बारी आने पर उसे मोबाइल देने से इनकार कर दिया था। गुस्से में किशोर ने अपने छोटे भाई के सिर पर एक बड़े पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में आरोपी का छोटा भाई बेहोश हो गया। इसके बाद आरोपी भाई ने तार लगे पत्थर से छोटे भाई को बांध दिया और पास के एक कुएं में फेंक दिया। इस वक्त घटनास्थल पर दोनों के अलावा और कोई मौजूद नहीं था। उसके बाद, अपने माता-पिता को बताए बिना आरोपी नाबालिग एक बस में चढ़ गया और अपने गृहनगर राजस्थान चला आया। जब देर शाम तक माता-पिता अपने दोनों बेटों को घर पर नहीं मिले, तो उन्होंने अपने गृहनगर में पूछताछ की और अपने बड़े बेटे के बारे में जाना।

जब वे उसे वापस लाए और उससे उसके छोटे भाई के बारे में पूछा, तो आरोपी ने उन्हें बताया कि एक लड़ाई के बाद उसने उसे मार डाला है। बुधवार को परिवार से घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता के शव को कुएं से बाहर निकाला और नाबालिग के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया।

अस्पताल को बदनाम करने के आरोप में यूएन मेहता होस्पिटल का आरएमओ गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

साइबर क्राइम ने फेक आईडी पर सोशल एकाउंट बनाकर अस्पताल को बदनाम करने के आरोप में अहमदाबाद की यूएन मेहता होस्पिटल के आरएमओ डॉ. कौशिक बारोट को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल पिछले काफी समय से यूएन मेहता होस्पिटल को बदनाम करने वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर की जा रही थीं। इस संदर्भ में यूएन मेहता होस्पिटल के निदेशक आरके पटेल ने अहमदाबाद साइबर क्राइम में शिकायत की थी। पुलिस की जांच में पता चला कि

अस्पताल के आरएमओ डॉ. कौशिक बारोट फेक आईडी पर अलग अलग सोशल मीडिया के जरिए होस्पिटल और लोगों को बदनाम कर रहे थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि डॉ. कौशिक बारोट दूसरे के नाम का सिमकार्ड का उपयोग करते थे और मोबाइल में ऐसी एप्लीकेशन डाल रखी जिससे किसी को भी फोन करने पर मोबाइल नंबर दिखाई ना दे। इतना ही नहीं जिसे फोन किया जाता था उसे पुरुष के बजाए महिला का आवाज सुनाई देता था। इस खुलासे के बाद साइबर क्राइम ने यूएन मेहता होस्पिटल के आरएमओ डॉ. राकेश बारोट को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरूकी है।

गुजरात ने पकड़ी बांस संवर्धन और बांस उद्योग का इकोसिस्टम खड़ा करने की दिशाः मुख्यमंत्री

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 14 जिलों के आदिवासी बंधुओं को बांस आधारित रोजगार प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की नई पहल के रूप में अंबाजी से उमरगाम तक के आदिवासी पट्टे के वनबंधुओं को 20 करोड़ रुपए मूल्य के 42 लाख बांस का नि:शुल्क वितरण कार्यक्रम गुरुवार को डेडियापाडा से शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने 'हरा सोना' यानी बांस के संवर्धन और बांस उद्योग का इकोसिस्टम खड़ा करने की दिशा पकड़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांस को पेड़ मानने वाले 90 साल पुराने कानून को निरस्त कर आदिवासियों के व्यापक विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। इसके चलते देश के अनेक राज्यों में बांस आधारित उद्योगों का विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने आदिवासी युवाओं के कौशल को व्यवस्थित ढंग से और समयानुकूल निखार देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल्य वर्धन योजना' के अंतर्गत आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बांस आधारित 4 कौशल वर्धन केंद्रों का लोकार्पण भी किया।

भूपेंद्र पटेल ने कुल 2 करोड़ रुपए के खर्च से डेडियापाडा, नेत्रंग, वघई और केवड़ी में तैयार बांस आधारित कौशल वर्धन केंद्रों का लोकार्पण करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में स्थापित ये केंद्र 'वोकल फॉर लोकल' का लक्ष्य हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में वनबंधुओं-आदिवासियों के सर्वांगीण उत्कर्ष के लिए सरकार की प्रतिबद्धता आज के इस समारोह के जरिए साकार हुई है।? उन्होंने कहा कि बांस के उत्पादों को दुनिया के बाजार में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने में यह कौशल वर्धन केंद्र 'ग्रोथ सेंटर' साबित होगा। प्रधानमंत्री ने अपने दूरदर्शी आयोजन से सभी के लिए विकास के अनेक अवसर उपलब्ध कराकर गुजरात को विकास का रोल मॉडल और ग्रोथ इंजन बनाया है। बांस जैसी वन संपदा के गुणवत्तापूर्ण उपयोग के जरिए आदिवासी समुदाय के आर्थिक उत्थान के लिए सरकार द्वारा निरंतर किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वनबंधु कल्याण योजना के माध्यम से अतीत में आदिवासी समाज द्वारा सहन की गई कठिनाइयों को करोड़ों रुपए के भारी लाभ प्रदान कर दूर किया है। उन्होंने कहा कि आज जनजातीय क्षेत्रों में स्थापित विज्ञान संकाय के अनेक कॉलेजों के कारण आदिवासी बच्चे उच्च शिक्षा हासिल कर पायलट, डॉक्टर और इंजीनियर बनने के स्वप्न साकार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों-आदिवासियों के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के लिए राज्य सरकार ने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जो अद्यतन सुविधा मुहैया कराई है, उसके परिणामस्वरूप ड्रॉप आउट अनुपात नीचे गिरा है और युवाओं को उच्च अध्ययन की सुविधा मिली है। पटेल ने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर दूरस्थ क्षेत्रों के आदिवासी और हाशिये पर खड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने को सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोरोना काल में गरीब वर्ग को मुफ्त अनाज वितरण प्रदान कर, स्वदेशी वैक्सीन और बेहतरीन स्वास्थ्य व्यवस्था के जरिए कोविड प्रबंधन का प्रेरक उदाहरण दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य की 25 सहभागी वन व्यवस्था समितियों को कुल 5 करोड़ रुपए के लाभ, क्लस्टर डेवलपमेंट के लिए 3 करोड़ रुपए के लाभ तथा 4 वनलक्ष्मी, इको डेवलपमेंट-इको टूरिज्म के लाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री ने सखी मंडलों की माता-बहनों द्वारा बनाए गए पारंपरिक आदिवासी भोजन का भी लुत्फ उठाया। बांस कार्यशाला में उन्होंने बांस से विभिन्न वस्तुओं के निर्माण की गतिविधियों को भी बारीकी से देखा और कारीगरों को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने वनबंधुओं को बांस का नि:शुल्क वितरण किया तथा 'नमो वड वन-डेडियापाडा' का लोकार्पण करने के बाद वड यानी बरगद का पौधा रोपा और उसे पानी दिया। मुख्यमंत्री ने प्लेटिनम वन-गलतेश्वर और नांदोद तहसील के पवित्र उपवन-रामपरा का भी ई-लोकार्पण किया।

प्रगतिशील वनबंधु किसानों और वन विकास का उम्दा कार्य करने वाली मंडलियों को प्रशस्त्रि पत्र भेंट किया तथा गुजरात में बांस से संबंधित विस्तृत जानकारी से परिपूर्ण 'बाम्बू रिसोर्स ऑफ गुजरात' नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया।

गुजरात में अन्य राज्यों के 78556 परिवार 'वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना से लाभान्वित हुए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात राज्य में जून 2020 से अप्रैल 2022 तक अन्य राज्यों के 78,556 परिवारों के लिए सार्वजनिक वितरण व्यवस्था के अंतर्गत राशन कार्ड मानो एटीएम कार्ड बन गया है। वन नेशन वन राशन कार्ड योजना लागू होने के बाद राशन कार्ड के प्रत्येक राज्य में उपयोग के योग्य बन जाने के परिणामस्वरूप कार्ड धरकों को उनकी निकटस्थ किसी भी सस्ते अनाज की दुकान से सार्वजनिक वितरण व्यवस्था के अंतर्गत राशन मिलने लगा, जिससे लोगों को काफ़ी सरलता का अनुभव हो रहा है। गुजरात में इस योजना के अंतर्गत लगभग 11 लाख 52 हज़ार 777 परिवारों को उनके ज़िलों के अलावा अन्य ज़िलों से राशन मिल रहा है। इस योजना से विशेष रूप से आदिवासी बहुल ज़िलों के प्रवासी श्रमिकों को फ़ायदा हुआ है।

क्या है वन नेशन वन राशन कार्ड योजना ?

इस योजना के सरलीकरण के अंतर्गत N.F.S.A. अंतर्गत लाभार्थियों को देय राश देश, राज्य या ज़िले की किसी भी दुकान से समय पर, सरलता से व पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के लिए 'वन नेशन वन राशन कार्ड' (One Nation One Ration Card) योजना का क्रियान्वयन किया गया है। भारत सरकार द्वारा इस योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2019 में किया गया है, जिसमें गुजरात राज्य का पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयन कर गुजरात तथा महाराष्ट्र राज्यों के बीच पोर्टेबिलिटी द्वारा वितरण व्यवस्था लागू की गई और आज देश के अधिकांश राज्यों को शामिल कर लिया गया है। समग्र देश के N.F.S.A. अंतर्गत लाभार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है। साथ ही 74 लाख से अधिक राशन कार्ड धारकों की 3.48 करोड़ करोड़ जनसंख्या में अंत्योदय परिवारों को प्रतिपरिवार 35 किलोग्राम तथा प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रतिव्यक्ति 5 किलोग्राम अनाज का वितरण किया जाता है। इसमें 2 रुपए प्रतिकिलो गेहूँ तथा 3 रुपए प्रतिकिलो चावल का राहत पर वितरण किया जाता है। कैसे किया जाता है आवेदन ?